

लातेहार में तीन इनामी उग्रवादियों ने एसपी के समक्ष किया आत्मसमर्पण

झारखंड जनमुक्ति परिषद के नाम से करते थे उगाही

AGENCY LATEHAR :

लातेहार एसपी कुमार गौरव के समक्ष गुरुवार को झारखंड जनमुक्ति परिषद (जेजेएमपी) उग्रवादी संगठन के तीन इनामी उग्रवादियों ने गुरुवार को आत्मसमर्पण कर दिया। एसपी कुमार गौरव और सीआरपीएफ 11 बटालियन के कमांडेंट याद राम बुनकर ने तीनों उग्रवादियों को माला पहनाकर स्वागत किया। आत्मसमर्पण करने वाले उग्रवादियों में पालिंदर भोक्ता प्रमोद गंडू और तुलसी गंडू शामिल हैं। तीनों बालूमाथ के लक्षपुर के रहने वाले हैं। इनके ऊपर सरकार ने एक-एक लाख रुपए इनाम घोषित किया था। मिली जानकारी के अनुसार पुलिस के द्वारा पिछले कुछ वर्षों से उग्रवादियों के



आत्मसमर्पण करने वाले उग्रवादियों को डीसी चेक प्रदान करते एसपी व अन्य

● फोटोन न्यूज

खिलाफ चलाए जा रहे छापेमारी अभियान से उग्रवादी संगठन काफी कमजोर हो गए हैं। पुलिस के जरिये उग्रवादियों के खिलाफ लगातार कार्रवाई भी की जा रही है। इससे उग्रवादी भयभीत हैं। दूसरी और सरकार की ओर से जारी आत्मसमर्पण नीति से भी उग्रवादी प्रभावित हो रहे हैं।

सरकार के आत्मसमर्पण नीति से प्रभावित होकर तीनों उग्रवादियों ने लातेहार एसपी कुमार गौरव के समक्ष आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस अधीक्षक कार्यालय के सभागार में आयोजित एक कार्यक्रम में एसपी ने तीनों उग्रवादियों को माला बनाकर स्वागत किया और चेक प्रदान

किया। एसपी ने अन्य उग्रवादियों से भी अपील किया है कि अभी भी समय है, उग्रवादी आत्मसमर्पण कर दें। आत्मसमर्पण करने वाले उग्रवादियों को सरकारी प्रावधान के तहत कई प्रकार की सुविधा दी जाएगी। मौके पर बड़ी संख्या में पुलिस अधिकारी उपस्थित थे।

BRIEF NEWS

पंचायती राज दिवस पर चला सफाई अभियान



LATEHAR : राष्ट्रीय पंचायत राज दिवस पर जिले के विभिन्न कार्यालय परिसर में सुबह-सुबह सफाई अभियान चलाया गया। इस मौके पर उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता भी मौजूद थे। उन्होंने अभियान की शुरूआत लातेहार स्थित बीडीओ कार्यालय परिसर से की। उपायुक्त ने सभी से अपील की कि सिंगल यूज प्लास्टिक का प्रचलन बंद करते हुए डस्टबिन का उपयोग करें। अभियान में विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारी, स्वयं सहायता समूह की दौड़ियां और स्थानीय नागरिकों ने श्रमदान किया। इसका मुख्य उद्देश्य स्थानीय स्तर पर स्वच्छता को बढ़ावा देना और पंचायती राज व्यवस्था के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। इस कार्यक्रम के माध्यम से स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरूक किया गया।

किताब दुकान पर की गई औचक छापेमारी, सील



KODERMA : झुमरीतिलैया थाना के पीछे संचालित शर्मा बुक सेंटर द्वारा कम दाम वाले किताबों में अधिक दाम का लेबल लगाकर बिक्री करने के मामले में उपायुक्त मेधा भारद्वाज के निर्देश पर गुरुवार को छापेमारी की गई। अनुमंडल पदाधिकारी रिया सिंह के नेतृत्व में जांच दल द्वारा झुमरीतिलैया नगर परिषद अंतर्गत संचालित शर्मा बुक सेंटर में छापेमारी की गई। इसमें किताबों की जांच की गई। प्रथम दृष्टया आरोप सत्य पाए गए। इसके बाद दुकान को सील कर दिया गया है। जांच पूरी होने के उपरांत दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

जागरूकता से ही होगी मलेरिया की रोकथाम : सीएस

HAZARIBAG : विश्व मलेरिया दिवस पर गुरुवार को सिविल सर्जन डॉ. एसपी सिंह की अध्यक्षता में जिला टास्क फोर्स की बैठक हुई। सिविल सर्जन सभागार में हुई बैठक के बाद सीएस ने पत्रकारों को बताया कि मलेरिया की रोकथाम के लिए जनजागरूकता आवश्यक है। जिला वीबीडी. पदाधिकारी डॉ. एस के सुबोध ने बताया कि हजारीबाग में वर्ष 2024 में कुल 3,03,353 लोगों की जांच हुई थी, जिसमें 208 व्यक्ति मलेरिया से ग्रसित पाए गए थे। उनमें से 169 लोगों में मलेरिया केल्सोपेरम पाया गया। सभी 208 लोगों का उपचार करा दिया गया। बैठक में जिला के वीबीडी सलाहकार मैमूर सुलतान, मलेरिया निरीक्षक गहेन्द्र पाल, एफएलए रामाशंकर, फैयाज आलम सहित अन्य कार्यालय कर्मी उपस्थित थे।

सफाईकर्मों से एक लाख रुपये छीन लिए अपराधी

RAMGARH : रामगढ़ शहर के भीड़भाड़ वाले क्षेत्र नेहरू रोड से बाइक सवार दो अपराधियों ने एक महिला से रुपये से भरा झोला छीनकर फरार हो गए। जब तक महिला कुछ समझ पाती तब तक अपराधी फरार हो गये। मिली जानकारी के अनुसार छवनी अस्पताल में कार्यरत सफाईकर्म जमनी देवी अपने पुत्र के साथ गुरुवार को मेन रोड स्थित एसबीआई बैंक से रुपये निकासी के लिए गए थीं। रुपये की निकासी करने के बाद अपने झोले में रखकर अपने बेटे के साथ पैदल नेहरू रोड के लिए निकलीं। जैसे ही नेहरू रोड पहुंची तो बाइक सवार दो अपराधी उनके पास पहुंचे और रुपये से भरा झोला लेकर फरार हो गए। हालांकि इस दौरान उनके पुत्र ने कुछ दूर पीछा किया। लेकिन अपराधी भाग चुके थे। घटना की सूचना पुलिस को दी गई। सूचना पाकर पुलिस मामले को छानबीन में जुट गई।

बिना प्रिस्क्रिप्शन के दवा बेचने वाले दुकानदारों पर हो कार्रवाई : डीसी



बैठक को संबोधित करती उपायुक्त जैन्सी सहाय (सबसे बाएं) ● फोटोन न्यूज

HAZARIBAG : उपायुक्त नैन्सी सहाय की अध्यक्षता में गुरुवार को नार्कोटिक्स समन्वय समिति की बैठक हुई, जिसमें पुलिस अधीक्षक अरविंद कुमार सिंह, एसडीएम सदर समेत अन्य संबंधित विभागीय पदाधिकारी मौजूद रहे। उपायुक्त ने निर्देश दिया कि बिना प्रिस्क्रिप्शन के दवा बेचने वाले दुकानदारों पर कार्रवाई होनी चाहिए। बगैर चिकित्सक के परामर्श के बिक्री के लिए प्रतिबंधित दवाओं की सूची सभी मेडिकल संचालक अपने

दुकानों में डिस्प्ले करेंगे। उन्होंने नशीली दवाओं के दुरुपयोग और अवैध व्यापार को समाप्त करने के लिए टोस कार्रवाई के निर्देश दिए। मादक पदार्थों अफीम आदि की खेती के संभावित क्षेत्रों की पहचान कर नियमित कार्रवाई करते हुए फसलों को नष्ट करने का निर्देश दिया। अंतरराज्यीय और अंतरजिला मामलों पर तत्करी की प्रवृत्तियों के बारे में जानकारी एकत्र कर प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने की बात की गई।

कुआं खोदवाने के

नाम पर ठगे 67 हजार

RAMGARH : रामगढ़ जिले के रजरप्पा थाना क्षेत्र में कुआं खोदवाने के नाम पर साजिद असद नामक व्यक्ति ने 67 हजार रुपये की ठगी की है। साजिद ने बड़कीपोना गांव के राजीव कुमार से रुपये की ठगी की है। इस मामले की शिकायत राजीव कुमार ने गुरुवार को रामगढ़ डीसी चंदन कुमार से की है। डीसी चंदन कुमार ने इस मामले को बेहद गंभीरता से लिया है। उन्होंने तत्काल खिरपुर बीडीओ को इस मामले की जांच करने का निर्देश दिया है। उन्होंने यह भी कहा है कि अगर जांच में यह मामला सत्य पाया जाता है, तो साजिद असद के खिलाफ रजरप्पा थाने में तत्काल प्राथमिकी दर्ज की जाए। मिली जानकारी के अनुसार गुरुवार को रजरप्पा थाना क्षेत्र के बड़की पुणे निवासी राजीव कुमार ने डीसी को आवेदन दिया और पूरी कहानी सुनाई। फरवरी 2025 में मनरंगा के तहत कुआं खोदवाने के नाम पर साजिद असद ने 67 हजार रुपये की ठगी कर ली।



घटनास्थल पर जांच करते पुलिस पदाधिकारी

● फोटोन न्यूज

मां ने बेटी के साथ ट्रेन से कटकर दी जान

AGENCY DUMKA :

दुमका जिले के हंसडीहा दुमका रेलखंड पर हंसडीहा थाना क्षेत्र के ओड़तारा गांव के समीप ट्रेन से कटकर विवाहिता अपने दो वर्ष की दुधमुड़ी बच्ची के साथ जान दे दी। मृतका की पहचान हंसडीहा थाना क्षेत्र के ओड़तारा गांव निवासी विक्की मंडल की 25 वर्षीय पत्नी आरती देवी और उनकी दो वर्षीय पुत्री ब्यूटी कुमारी के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार गुरुवार सुबह आरती कुमारी अपने पुत्री को साथ लेकर घर के पीछे रेलवे ट्रैक पर पहुंच गईं। कुछ देर इंतजार करने के बाद जैसे ही भागलपुर

दुमका पैसेंजर ट्रेन गुजरी महिला अपने दुधमुड़ी बच्ची के साथ ट्रेन के सामने आ गईं। घटना में मां बेटी की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। मृतका की सास पूनम देवी ने बताया कि गुरुवार की सुबह उनका पुत्र हंसडीहा स्थित कबाड़ी की दुकान में मजदूरी करने चले गया और वे खुद हंसडीहा बाजार चापानाल का सामान खरीदने गई हुई थी। इस बीच उसकी पुत्रवधु और पोती घर में अकेली थी जिसका फायदा उठाकर वे घर से निकलकर ट्रेन से कटकर अपनी जान दे दी। जानकारी के अनुसार आरती अपने मायके जाने की

जिद कर रही थी, लेकिन उसके पति विक्की मंडल उसे मायके जाने के लिए मना कर रहा था इस बीच दोनों पति- पत्नी के बीच बुधवार शाम को आपस में बहस हुई थी। वहीं ग्रामीणों ने पुलिस को घटना की जानकारी दी। सूचना मिलने के तुरंत बाद थाना प्रभारी प्रकाश सिंह, पुलिस सहायक अवर निरीक्षक विनोद सिंह, संतोष कुमार साइल पुलिस बल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और जांच पड़ताल कर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए फूलों ज्ञानो मेडिकल कॉलेज, दुमका भेज दिया।

एयरटेल पेमेंट बैंक के

कर्मचारी से 60 हजार

रुपये की लूट

KODERMA : जिले के डोमचांच में बड़ी लूट की वारदात सामने आई है। बुधवार को दोपहर में एयरटेल पेमेंट बैंक के कर्मचारी से 60 हजार रुपये की लूट हुई। बिहार निवासी अंकित कुमार डोमचांच के दाब रोड स्थित एयरटेल पेमेंट बैंक में कार्यरत है। वह बुधवार को ग्राहकों के जमा किए 92 हजार रुपये बैंक ऑफ इंडिया की डोमचांच शाखा में जमा करने गया था। उसे अपराधियों ने बोलेरो में बैठा लिया और पैसे लूट लिए। अंकित जब बैंक में जमा पर्वी भर रहा था, तभी एक अज्ञात व्यक्ति उसे धमकाकर बैंक से बाहर ले गया। बैंक से करीब 200 मीटर दूर ले जाकर उसे एक बोलेरो में बैठा लिया गया। कुछ दूर जाने के बाद अपराधियों ने गाड़ी रोकी और बैग से 60 हजार रुपये निकालकर अंकित को उतार दिया। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी ओमप्रकाश कुमार स्पेशल ब्रांच की टीम के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस आसपास की दुकानों में लगे सीसीटीवी फुटेज की जांच कर रही है। थाना प्रभारी ने बताया कि अभी तक अपराधियों का पता नहीं चल पाया है।

पलामू की महिला के साथ बिहार में सामूहिक दुष्कर्म

PALAMU : पलामू की एक महिला के साथ बिहार के गया में सामूहिक दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पीड़िता चैनपुर थाना क्षेत्र की रहने वाली है। वह वर्तमान में मेदिनीनगर में किराए के मकान में रहती है। चार बच्चों की मां इस 30 वर्षीय महिला को उसकी एक महिला मित्र मेले में काम दिलाने के बहाने गया ले गई थी। मेले में टिकट काटने का काम करने वाली पीड़िता तीन दिन पहले ही वहां पहुंची थी। घटना के दिन वह अपने कमरे में प्रेमी के साथ थी। दूसरे कमरे में उसकी महिला मित्र तीन पुरुषों के साथ शराब पी रही थी। नशे में धुत तीनों आरोपितों ने पीड़िता के प्रेमी को मारपीट कर भगा दिया और फिर उसके साथ सामूहिक दुष्कर्म किया। पीड़िता की हालत बिगड़ने पर महिला मित्र उसे



पलामू ले आईं। मेदिनीराय मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराने के बाद वह फरार हो गई। अस्पताल प्रशासन ने पुलिस को सूचित किया। पुलिस ने शहर थाने में तीन आरोपितों और महिला मित्र के खिलाफ ज़ीरो एफआईआर दर्ज की है। आरोपितों में मेले का एक झूला मालिक, पीड़िता के किराए के मकान का मालिक और महिला मित्र का एक साथी शामिल हैं। पुलिस ने पीड़िता का बयान दर्ज कर लिया है।

आज से पूरे जिले में चलेगा बैंक टू स्कूल अभियान, रथ खाना

PHOTON NEWS LATEHAR :

उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता की अध्यक्षता में जिलास्तरीय स्कूल रूआर 2025 (बैंक टू स्कूल अभियान) विषय पर गुरुवार को टाउन हॉल में कार्यशाला हुई। उपायुक्त, जिला परिषद की अध्यक्ष पूनम देवी व उपस्थित अतिथियों ने दीप प्रज्वलित कर कार्यशाला का उद्घाटन किया। कार्यशाला को संबोधित करते हुए उपायुक्त ने बताया कि पूरे जिले में 25 अप्रैल से 10 मई तक बैंक टू स्कूल अभियान चलेगा। समग्र शिक्षा का मुख्य लक्ष्य 6-18 आयुवर्ग के सभी बच्चों का विद्यालयीय शिक्षा पूर्ण कराना है। उन्होंने कहा कि बच्चों को वापस लाने और उनकी नियमित उपस्थिति बनाए रखना अति आवश्यक है। इसके लिए सामूहिक प्रयास की आवश्यकता है। सभी मिलकर प्रवासी बच्चों, स्कूल



समाहरणालय से शिक्षा रथ को खाना करते पदाधिकारी

● फोटोन न्यूज

से बाहर रह गए बच्चों के अभिभावकों से मिलने और जागरूक करने का प्रयास करें, ताकि इस दौरान यह सुनिश्चित किया जाय कि एक भी बच्चा विद्यालय से बाहर न रहे और 6 वर्ष से 18 वर्ष तक के सभी बच्चों का स्कूल में नामांकन हो और वो अपनी शिक्षा पूरी करें। आगे उन्होंने कहा कि इस अभियान के तहत विभिन्न कार्यक्रम किये जायेंगे। जिला, प्रखंड के अलावा स्कूलों में कार्यक्रम

आयोजित होंगे, जिसके तहत स्कूलों में हर दिन अलग-अलग गतिविधि की जायेंगी, जिसमें शिक्षक एवं बच्चे भागीदार होंगे। कार्यशाला के उपरांत शिक्षा रथ को खाना दिया गया। कार्यशाला में आईटीडीए निदेशक प्रवीण कुमार गागराई, अनुमंडल पदाधिकारी अजय रजक, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. चंदन, जिला शिक्षा पदाधिकारी प्रिंस कुमार व जिला शिक्षा अधीक्षक गौतम कुमार साहू भी उपस्थित थे।

गर्मी में संयम न खोएं ट्रैफिक जवान : एसपी

RAMGARH : बढ़ती गर्मी के कारण लोगों की परेशानियां बढ़ने वाली है। लेकिन ऐसे माहौल में भी पुलिस सड़क पर मुस्तेदी से डटी है। रामगढ़ एसपी अजय कुमार ने गर्मी के इस मौसम में ट्रैफिक जवानों को कूल रखने के लिए बड़ा अनुरोध तरीका निकाला है। उन्होंने ट्रैफिक जवानों को टोपी, छाता, गमछा और गॉगल्स उपलब्ध कराया, ताकि वे भारी दुपहरी में भी कूल रहे और संयम न खोएं। गुरुवार को कोर्ट मोड़ के पास एसपी अजय कुमार खुद पहुंचे और ट्रैफिक जवानों से मिले। उन्होंने कहा कि जिस तरह मौसम का पारा चढ़ रहा है, धूप में आम नागरिकों में भी झल्लाहट हो सकती है। क्योंकि पुलिस हेल्मेट और वाहनों के जांच के नाम पर उन्हें रोकेगी। नागरिक चिल्ला सकते हैं और हंगामा भी मचा



पुलिसकर्मी को किट प्रदान करते एसपी

हेल्पलाइन नंबर 9234309942 किया गया जारी, जिलेवासी कचरा निष्पादन की समस्या पर कर सकते संपर्क

लातेहार में शुरू हुआ तृतीयक पृथक्करण केंद्र, राज्य का पहला जिला बना

PHOTON NEWS LATEHAR:

राष्ट्रीय पंचायत राज दिवस पर जिला मुख्यालय स्थित बहुउद्देशीय भवन में सांलिड एंड लिक्विड रिसोर्स मैनेजमेंट (एसएलआरएम) कार्यक्रम के तहत निर्मित तृतीयक पृथक्करण केंद्र का गुरुवार को उद्घाटन किया गया। इस मौके पर उपायुक्त उत्कर्ष गुप्ता, भारतीय हरित सेवा के परियोजना निदेशक, सलाहकार सी. श्रीनिवासन, जिला परिषद की अध्यक्ष पूनम देवी, आईटीडीए निदेशक प्रवीण कुमार गागराई, जिला परिषद सदस्य, जिला स्तरीय पदाधिकारियों सहित गणमान्यों ने संयुक्त रूप से दीप प्रज्वलित किया। यहां एकत्रित कचरे का वैज्ञानिक ढंग से अंतिम पृथक्करण किया जाएगा। इसके अतिरिक्त जिले के प्रत्येक प्रखंड में ऐसे पृथक्करण केंद्रों



कार्यक्रम का उद्घाटन करती आंगनबाड़ी सेविका

● फोटोन न्यूज

की स्थापना की योजना है जिससे संपूर्ण लातेहार में कचरे का समुचित और सुनिश्चित प्रबंधन सुनिश्चित किया जा सकेगा। लातेहार झारखंड का पहला जिला है जहां सांलिड एवं लिक्विड रिसोर्स मैनेजमेंट (एसएलआरएम) कार्यक्रम

संचालित किया जा रहा है। इसी क्रम में एसएलआरएम हेल्पलाइन नंबर 9234309942 भी जारी किया गया। इसमें नागरिक अपनी शिकायतें दर्ज कर सकते हैं। इस दौरान उपायुक्त व भारतीय हरित सेवा के परियोजना निदेशक,

सलाहकार ने एसएचजी दीर्घियों के बीच डस्टबिन, झाड़ा, सफाई उपकरण, साइकिल, टोस व तरल अपशिष्ट प्रबंधन के लिए ट्राई-साइकिल आदि का वितरण किया। सभी को टोस और तरल कचरा प्रबंधन को लेकर शपथ ग्रहण कराया गया। कार्यक्रम के उपरांत बहुउद्देशीय भवन परिसर में उपायुक्त ने पौधारोपण किया। कार्यक्रम में अनुमंडल पदाधिकारी अजय कुमार रजक, जिला आपूर्ति पदाधिकारी रश्मि लकड़ा, उपनिर्वाचन पदाधिकारी मेरी मड़की, जिला पंचायती राज पदाधिकारी श्रेयांश, जिला जनसंपर्क पदाधिकारी डॉ. चंदन, कार्यवाहक अभियंता पेयजल एवं स्वच्छता दीपक महतो, जिला परिषद सदस्य समेत अन्य गणमान्य व जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे।



महिलाओं को निभानी होगी अग्रणी भूमिका

इस मौके पर उपायुक्त ने कहा कि समाज को स्वच्छ रखना हम सभी लोगों की पहली जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि यदि सभी लोग अपनी जिम्मेदारी को निभाते हुए गंदगी को इधर-उधर फेंकने के बदेले कुड़ेदान में डालेंगे तो समाज में स्वच्छता का वातावरण बनेगा। उपायुक्त ने कहा कि सभी लोगों को चाहिए कि गीला कचरा और सूखा कचरा को अलग-अलग रखें, ताकि कचरा निस्तारण करने में सफाई कर्मियों को सहायता मिले। उपायुक्त ने कहा कि महिलाएं हमेशा समाज के लिए प्रेरणादायक रही हैं। समाज में स्वच्छता का वातावरण बनाने के लिए महिलाओं को और आगे आना होगा।

हरे डस्टबिन में गीला कचरा ही डालें, लाल में सूखा

उपायुक्त ने कहा कि महिलाओं को यह जिम्मेदारी लेनी होगी कि घर से निकलने वाले गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग रखें। गीले कचरे (जैसे कि खाने-पीने का कचरा, सब्जी के छिलके, आदि) को लाल रंग के डस्टबिन में डालें। सूखे कचरे (जैसे कि प्लास्टिक, कागज, आदि) को लाल रंग के डस्टबिन में डालें, ताकि कचरे का उचित निपटान सुनिश्चित कर रिसाइकिल या खाद के रूप में उपयोग किया जा सके। उन्होंने कहा कि वर्तमान में हम सभी को चाहिए कि हम अपने आसपास के लोगों को साफ-सफाई के लिए प्रेरित करें। यदि हम ऐसा करते हैं, तभी जाकर स्वच्छता को बल मिलेगा एवं सही मायने में क्लीन एंड ग्रीन लातेहार का स्वोगन चरितार्थ होगा।

विकास से प्रभावित मरीजों की जांच विश्वसनीय और सटीक ढंग से की जा सकेगी। इन जांच केंद्रों पर तुरंत रिपोर्ट उपलब्ध कराई जाएगी। इससे ग्रामीण और दूरदराज क्षेत्रों के मरीजों को जिला अस्पताल आने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। इस सुविधा से समय की बचत के साथ-साथ शुरूआती स्तर पर ही बीमारियों को पहचान हो सकेगी।

पीएचसी में भी लगाने की योजना :

जिला कार्यक्रम प्रबंधक ने जानकारी दी कि सिविल सर्जन रॉंची के पहल पर यह सुविधा राज्य सरकार की प्रार्थना के तहत शुरू की गई है। रॉंची जिला यह सुविधा प्रदान करने वाला झारखंड का पहला जिला बन गया है। भारत सरकार ने इस तकनीक को कंपैक्ट्री टेस्ट के रूप में मान्यता दी है।



बॉडी नहीं बनाती ओमेगा-3, शाकाहारी लोगों के लिए बहुत जरूरी हैं ये बीज

ओमेगा 3 एक जरूरी फैटी एसिड है, जिसे शरीर नहीं बना पाता है। इसलिए इसकी कमी का खतरा काफी ज्यादा होता है। जिससे बचने के लिए इन फूड्स का सेवन करना चाहिए।

शरीर को कई तरह के फैट की जरूरत होती है ताकि शरीर का काम सही चलता रहे। मगर ओमेगा-3 फैटी एसिड को बॉडी खुद नहीं बना पाती है और उसे फूड्स पर निर्भर रहना पड़ता है। वरना शरीर में इसकी भारी कमी हो सकती है।

सेल्स के फंक्शन के लिए यह न्यूट्रिएंट बहुत जरूरी होता है। शरीर में ओमेगा-3 की कमी से कई सारी दिक्कतें होने लगती हैं। जिनके बारे में न्यूट्रिशनिस्ट किरण कुकरेजा ने जानकारी दी है। एक्सपर्ट ने इसे पाने के लिए कुछ फूड्स खाने की सलाह भी दी है।

ओमेगा-3 की कमी से झेलनी होगी ये दिक्कतें ड्राई स्किन, हेयर और आई



हेल्दी स्किन और हेयर के लिए ओमेगा-3 फैटी एसिड बहुत जरूरी है। वहीं, आंखों की नमी और रेटिना में इसका हाई कंसंट्रेशन होता है। इसलिए इसकी डेफिशिएंसी त्वचा, बाल और



गर्मी के मौसम में मसाज के फायदे

गर्मियों का मौसम आ चुका है। इस मौसम में बाहर निकलने पर बढ़ती धूप और गर्म हवा आपको परेशान कर देती है। इसके अलावा रोज की भागदौड़ भरी दिनचर्या लोगों को थका देती है। इसके बाद शरीर पर थकान हावी हो जाती है। इसके बाद कुछ भी करने का मन नहीं करता है। यदि आपको इस मौसम में तरोताजा रहना है तो मसाज एक अच्छा उपाय हो सकता है। मसाज लेने के बाद आप एक बार फिर से तन और मन से ताजगी महसूस करने लगते हैं।

मसाज के फायदे

- मसाज से मांसपेशियों की सिकुड़ने और फैलने की क्षमता में बढ़ोत्तरी होती है। इसके अलावा मेटाबॉलिज्म का कार्य सही से होने लगता है।
- मसाज से ब्लड सर्कुलेशन सुचारु रूप से काम करता है।
- मसाज करने से नींद अच्छी आती है। जिसके चलते आंखों की रोशनी बढ़ती है। और स्किन चमकदार बन जाती है।
- मसाज करने के दौरान लंबी-लंबी सांसें लेने से शरीर के अंदर मौजूद कई विकार बाहर निकल जाते हैं। इसके बाद शरीर में स्फूर्ति आ जाती है।
- मसाज रोज करने से शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ जाती है।
- मसाज से रंग में निखार आता है और स्किन चमकदार बन जाती है।
- मसाज से मस्तिष्क में तरावट एवं मानसिक शक्ति का अनुभव होता है।
- मसाज के बाद स्किन के छिद्रों में तेल भरे रहने से जीवाणुओं शरीर के अंदर जाने का खतरा नहीं रहता है।

इनकी भी होती है मसाज

- माथे की मसाज
- गालों की मालिश
- दुड़डी की मसाज
- गर्दन की मसाज

आंखों में रूखापन कर सकती है। नाखून हो जाएंगे कमजोर नाखूनों की सेल्स को जोड़े रखने के लिए भी यह फैट जरूरी होता है। इसके कम होने पर सेल्स मेंब्रेन ढीले और कमजोर होने लगते हैं। जिससे नाखून कमजोर और नाजुक हो जाते हैं।

बीमारियों का घर बनेगा दिल



ओमेगा-3 फैटी एसिड की कमी से दिल बीमारियों का घर बन सकता है। क्योंकि, यह कोलेस्ट्रॉल और ब्लाड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। जो कि नसों को सिकोड़ने और डेमेज करके दिल की बीमारियों का प्रमुख कारण बनती है।

शाकाहारी लोगों के लिए ओमेगा-3 फूड

शाकाहारी लोग इसे पाने के लिए अलसी के बीज, चिया सीड्स और अखरोट का सेवन कर सकते हैं। इनमें इसका प्रकार अल्फा लिनोलेनिक एसिड (एएलए) प्रचुर मात्रा में होता है। साथ में फोर्टिफाइड दूध, योगर्ट आदि का सेवन भी कर सकते हैं।

ओमेगा-3 के नॉन वेजिटेरियन फूड

मछलियों में ओमेगा-3 फैट काफी होता है। इसके लिए सेल्मन, मैक्रैल, टूना, सार्डिन आदि फैटी फिश का सेवन कर सकते हैं।



गर्मियों में तेज धूप, पसीना, गर्म हवाओं की वजह से शरीर में पानी की कमी यानी शरीर में डिहाइड्रेशन पैदा कर सकती है। इस मौसम में शरीर से सारे इलेक्ट्रोलाइट्स निकलने का खतरा होता है।

भारत में गर्मियों का मौसम जारी है और कई जगहों पर पारा 40 डिग्री को भी पार कर गया है।

गर्मी की वजह से घर से बाहर निकलना मुश्किल हो गया है। भाषण गर्मी में पंखा और कूलर भी साथ नहीं दे रहे हैं। अगले कुछ हफ्तों में गर्मी का सितम और बढ़ेगा और ऐसा वक्त आ जाएगा जब एसी भी काम नहीं करेगी। जाहिर है गर्मी का शरीर पर सबसे ज्यादा बुरा प्रभाव पड़ता है।

गर्मियों में तेज धूप, पसीना, गर्म हवाओं की वजह से शरीर में पानी की कमी यानी शरीर में डिहाइड्रेशन पैदा कर सकती है। इस मौसम में शरीर से सारे इलेक्ट्रोलाइट्स निकलने का खतरा होता है। लंबे समय तक डिहाइड्रेशन की वजह से चक्कर आना, सिरदर्द, ऊर्जा की कमी, भ्रम और यहां तक कि बेहोशी जैसी गंभीर समस्याएं हो सकती हैं। डाइट एक्सपर्ट्स का कहना है कि गर्मियों में डिहाइड्रेशन से बचने के लिए सिर्फ पानी काफी नहीं है। आपके खाने में कार्ब्स, विटामिन और मिनरल वाली चीजें भी उतनी ही जरूरी हैं। कुछ चीजें हैं जिनका गर्मियों में सेवन करने से शरीर को ठंडा रखा जा सकता है और किसी भी तरह की समस्या से बचा जा सकता है।



कोलेस्ट्रॉल बढ़ना आजकल की एक गंभीर और आम समस्या बन गई है।

आजकल सिर्फ व्यस्क ही नहीं बल्कि युवाओं को भी इसका सामना करना पड़ रहा है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि खराब खानपान और सुस्त जीवनशैली इसका सबसे बड़ा कारण हैं। यह कोई आम समस्या नहीं है और इससे दिल से जुड़े रोगों, स्ट्रोक यानी दिमाग का दौरा और हार्ट अटैक जैसी गंभीर और जानलेवा बीमारियों का खतरा है। कोलेस्ट्रॉल शरीर की हर कोशिका में पाया जाता है। यह शरीर के लिए जरूरी भी है लेकिन वो अच्छा कोलेस्ट्रॉल होता है। अच्छा कोलेस्ट्रॉल खाद्य पदार्थों का पाचन, हार्मोन का उत्पादन और अन्य कई काम करता है। यह सभी कचरे और विषाक्त पदार्थों को वापस लीवर में पहुंचाता है। लेकिन एक खराब कोलेस्ट्रॉल भी है, जो धमनियों की दीवारों पर पट्टिका की एक परत बनाता है, जिससे रक्त का प्रवाह मुश्किल हो जाता है, जो आगे चलकर हाई ब्लड प्रेशर, हार्ट डिजीज और स्ट्रोक का कारण बन सकता है। कुछ खाद्य पदार्थ खून की नसों में जमा खराब कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकालने का काम करते हैं। इनमें गर्मियों में मिलने वाले कुछ फल भी शामिल हैं। चूंकि गर्मियों का मौसम जारी है, तो ऐसे में आपको इन सस्ते फलों का खून सेवन करना चाहिए जिससे शरीर से यह गंदे पदार्थ बाहर निकल सकें और आपका ब्लड सर्कुलेशन बेहतर बना रहे।

पपीता

फाइबर से भरपूर पपीता हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करने में मदद करता है। यह खराब कोलेस्ट्रॉल लेवल को भी कंट्रोल करता है। फाइबर पाचन को बेहतर बनाने में सहायक है और यह आंतों की भी सफाई करता है।

गर्मियों में खाएं ये चीजें चिलचिलाती गर्मी में भी शरीर रहेगा ठंडा

केला और अवोकेडो

इन दोनों फलों में कार्ब्स की मात्रा अधिक होती है। इसके अलावा यह फाइबर के अच्छे स्रोत हैं। यह दोनों इलेक्ट्रोलाइट का लेवल बनाए रखते हैं। इन दोनों का शरीर पर ठंडा प्रभाव पड़ता है।

लौकी परिवार की सब्जियां

गर्मियों के दिनों शरीर को ठंडा रखने के लिए आपको लौकी परिवार की सब्जियां जैसे लौकी, कद्दू, करेला, तुरई आदि का खूब सेवन करना चाहिए। इनमें पानी की मात्रा होने के साथ सभी जरूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं।

साबुजा सीड्स

इन छोटे-छोटे बीजों में फाइबर और प्रोटीन की मात्रा अधिक होती है। इसके अलावा यह ओमेगा-3 फैटी एसिड, पोटेशियम, विटामिन सी आदि का भी भंडार है। यह तत्व गर्मी को कम करते हैं और पेट को ठंडा रखते हैं।

खट्टे फल

जूस वाले खट्टे फल जैसे संतरे, नींबू, कीनू,

और मौसंबी आदि में जरूरी पोषक तत्व जैसे विटामिन ए, बी और सी पाया जाता है। यह शरीर में इलेक्ट्रोलाइट का लेवल बनाए रखते हैं।

दही

घर की बनी दही पोषक तत्वों का खजाना है और यह पेट के लिए एक नैचुरल प्रोबायोटिक है, जो शरीर को ठंडा रख सकती है। आप खाने में दही या इसका रायता बनाकर इस्तेमाल करें।



आजकल सिर्फ व्यस्क ही नहीं बल्कि युवाओं को भी इसका सामना करना पड़ रहा है। एक्सपर्ट्स मानते हैं कि खराब खानपान और सुस्त जीवनशैली इसका सबसे बड़ा कारण हैं। कुछ खाद्य पदार्थ खून की नसों में जमा खराब कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकालने का काम करते हैं। इनमें गर्मियों में मिलने वाले कुछ फल भी शामिल हैं।

खून की नसों में चिपके जिद्दी कोलेस्ट्रॉल को बाहर निकाल देंगे गर्मियों के ये 5 फल

अंगूर



एनसीबीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, अंगूर फाइबर का एक बेहतर स्रोत है। इस तरह अंगूर का नियमित सेवन कोलेस्ट्रॉल लेवल को नैचुरली कम करने में मदद करता है। अंगूर वजन को नियंत्रित करने में भी मदद करता है, जिसे हृदय रोगों के पीछे एक और कारण बताया जाता है।

खट्टे फल

गर्मियों में सभी तरह के खट्टे फल खाना दिल से जुड़ी बीमारियों को दूर करने में फायदेमंद साबित हो सकते हैं। आप अपने खाने में नींबू और संतरे जैसे खट्टे फल शामिल कर सकते हैं क्योंकि यह विटामिन सी से भरे होते हैं, जो इम्यून सिस्टम को भी बढ़ाते हैं।

सेब



सेब एक ऐसा फल है, जो सिर्फ कोलेस्ट्रॉल ही नहीं बल्कि शरीर में जमा अन्य गंदे पदार्थों को भी कम कर सकता है। सभी हृदय रोगियों को अपने खाने में सेब को शामिल करना चाहिए क्योंकि यह कोलेस्ट्रॉल लेवल को नैचुरली कम करने में मदद करता है। सेब में फाइबर पेक्टिन की मौजूदगी कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने में मदद करती है।

स्ट्रॉबेरी

एनसीबीआई की एक रिपोर्ट के अनुसार, मानव शरीर में कोलेस्ट्रॉल लेवल को कम करने के लिए स्ट्रॉबेरी एक बेहतर परफार्मेंस है। यह एंटीऑक्सिडेंट का बेहतर स्रोत है, जो कोलेस्ट्रॉल के स्तर को नियंत्रित करने में मदद करता है। इसके अलावा यह विटामिन का भंडार है और इसमें कैलोरी बहुत कम होती है।



स्वाद के साथ सेहत की खान है आम

स्वाद के साथ फायदों की खान है आम। जी हां, आम को फलों का राजा माना जाता है। गर्मियां तो बिना आम के सेवन अधुरी हैं। आप कोई भी फल खा लें लेकिन आम को अपनी फ्रूट बास्केट में शामिल करना न भूलें। स्वाद के साथ आम खाने के कई फायदे हैं।

कैंसर से बचाव

आम में मौजूद एंटीऑक्सिडेंट कोलोन कैंसर, ल्यूकेमिया और प्रोस्टेट कैंसर से बचाव में फायदेमंद है। इसमें वयूसैटिन, एस्ट्रामागलिन और फिसेटिन जैसे ऐसे कई तत्व होते हैं जो कैंसर से बचाव करने में मददगार होते हैं।

कोलेस्ट्रॉल नियमित रखने में

आम में फाइबर और विटामिन सी खूब होता है। इससे बैड कोलेस्ट्रॉल संतुलन बनाने में मदद मिलती है।

पाचन क्रिया को ठीक रखने में

आम में ऐसे कई एंजाइम्स होते हैं जो प्रोटीन को तोड़ने का काम करते हैं। इससे भोजन जल्दी पच जाता है। साथ ही इसमें उपस्थित साइट्रिक एसिड, टार्टरिक एसिड शरीर के भीतर क्षारीय तत्वों को संतुलित बनाए रखता है।

स्मरण शक्ति में मददगार

जिन लोगों को भूलने की बीमारी हो उन्हें आम का सेवन करना चाहिए। इसमें पाया जाने वाला ग्लूटामिन एसिड नामक एक तत्व स्मरण शक्ति को बढ़ाने में उत्प्रेरक की तरह काम करता है। साथ ही इससे रक्त कोशिकाएं भी सक्रिय होती हैं। इसीलिए गर्भवती महिलाओं को आम खाने की सलाह दी जाती है।

त्वचा के लिए फायदेमंद

आम के गुदे का पैक लगाने या फिर उसे चेहरे पर मलने से चेहरे पर निखार आता है और विटामिन सी संक्रमण से भी बचाव करता है।

मोटापा कम करने में

मोटापा कम करने के लिए भी आम एक अच्छा उपाय है। आम की गुठली में मौजूद रेशे शरीर की अतिरिक्त चर्बी को कम करने में बहुत फायदेमंद होते हैं। आम खाने के बाद थूक कम लगती है, जिससे ओवर ईटिंग का खतरा कम हो जाता है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में

आम खाने से शरीर की रोग-प्रतिरोधक क्षमता में भी इजाफा होता है।



बच्चों को सिखाएं हेल्दी फूड हैबिट

बच्चों के बड़े होने पर उन्हें पोषण देने के लिए जरूरी है कि बचपन से ही उन्हें अच्छा पोषण दिया जाए। लेकिन उसके लिए सही शुरुआत करें और स्वस्थ खाना सिखाएं। बच्चे इन स्वस्थ आदतों को खुद अनुभव करके और दूसरी को देखकर सीखते हैं। बच्चों को अच्छी खाने की आदतें सिखाना शुरू करना कभी भी जल्दी नहीं होता है। इसके लिए आप नीचे दिए टिप्स भी अपना सकते हैं जिससे बच्चे सही समय पर स्वस्थ खाना सीखें जो उन्हें बड़े होने तक फायदा पहुंचाएगा। सभी साथ बैठकर खाएं। एक परिवार के रूप में एक साथ खाना खाना जरूरी है। बच्चों को सिखाएं कि सभी साथ बैठें। इससे बच्चों के सामने आप हर तरह की सब्जियां खाकर दिखाएंगे तो वो भी आपसे सीखेंगे। साथ ही उन्हें लोगों के सामने व्यवहार करना भी आएगा। इससे एक फायदा होगा कि बच्चा खाना खाते समय फोन या टीवी भी नहीं देखेगा।

बच्चों को चुनने दें

जरूरी नहीं जो हम खा रहे हों वो

सभी चीजें बच्चे खाएं। बच्चों के लिए अलग से खाना न बनाएं लेकिन जो आप बना रहे हैं या बड़े खा रहे हैं वो सभी चीज बच्चों को जबरदस्ती न खिलाएं। बच्चों को खुद चुनने दें कि वो इन सबमें से क्या खाना चाहते हैं।

अपनी कोशिश जारी रखें

बच्चों को हेल्दी फूड हैबिट सिखाने में समय लग सकता है। ऐसे में अपनी कोशिश न छोड़ें। शुरुआत में बच्चे नखरे करेंगे लेकिन आपकी कोशिश जारी रही तो बच्चों की आदत भी बदलेगी। कभी-कभी बच्चों को यह चुनने दें कि खाने में क्या सब्जी बनानी चाहिए। साथ ही उन्हें उसे बनाने में मदद के लिए कहें।

लालच देकर न खिलाएं

बच्चों को लालच देकर खाना खसकने को न कहें। बच्चों को डेजर्ट के लालच में खाना खाने को न कहें। कई माता-पिता इस बात पर जोर देते हैं कि अगर बच्चे पूरा खाना खाएंगे तो उन्हें मिठाई मिलेगी। ऐसा न करें। उन्हें थूक के अनुसार खाना सिखाएं।

सामयिक: दम तोड़ रहा किशोर सागर



पंकज चतुर्वेदी

पर्यावरण मंत्रालय का आदेश है कि जल-निधियों के जल ग्रहण क्षेत्र या कैचमेंट एरिया के चारों ओर चालीस फुट दायरे में निर्माण नहीं हो सकता। किशोर सागर में तो निर्माण कर उसे डेढ़ एकड़ में समेट दिया गया। जरा अपने आसपास देखें, न जाने कितने किशोर सागर समय से पहले मरते दिख रहे होंगे। असल में ये तालाब-नदी नहीं मर रहे हैं, हम अपने आने वाले दिनों की प्यास को बढ़ा रहे हैं, जल संकट को बढ़ा रहे हैं, धरती के तापमान को बढ़ा रहे हैं

मध्य प्रदेश में इन दिनों राज्य सरकार का 'जल गंगा संवर्धन अभियान' चल रहा है। इसके तहत 30 मार्च, 2025 से 30 जून, 2025 तक राज्य में जल स्रोतों का संरक्षण और पुनरुद्धार करना है, जिसमें नदियां, तालाब, कुएं और बावड़ियां शामिल हैं। लेकिन प्यास और पलायन के लिए कुख्यात बुंदेलखंड के छतरपुर शहर में जैसे उलटी गंगा बह रही है। यहां एनजीटी (नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल) के आदेश के बावजूद शहर के सबसे सुंदर किशोर सागर से अतिक्रमण तो हट नहीं पा रहा, उलटे कुछ पत्रकार इसके लिए लिखा-पढ़ी कर भी रहे हैं तो उनके खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की धमकी दे कर उनकी आवाज दबाई जा रही है।

महाराज छत्रसाल ने 1707 में जब छतरपुर शहर की स्थापना की थी तो यह वेनिस की तरह हुआ करता था। चारों तरफ घने जंगलों वाली पहाड़ियों और बारिश के दिनों में बह कर आने वाले पानी की हर बूंद को सहेजने वाले तालाब, तालाबों के बीच से सड़क और उसके किनारे बस्तियां। 1908 में ही इस शहर को नगर पालिका का दर्जा मिल गया था। आसपास के एक दर्जन जिलों, जो बेहद पिछड़े थे, से व्यापार, खरीदारी, सुरक्षित आवास जैसे कारणों के लिए लोग यहां आ कर बसने लगे। आजादी के बाद तो यहां का निवासी होना गर्व की बात कहा जाने लगा। लेकिन इस शहरी विस्तार के बीच धीरे-धीरे यहां की खूबसूरती, नैसर्गिकता और पर्यावरण में संंध लगने लगी। अस्सी के दशक तक शहर में पानी का टोटा नहीं था और आज नल तो रीते हैं ही, कुएं और अन्य संसाधन भी साथ छोड़ गए हैं। हालांकि जनता जागी है तालाबों को बचाने के लिए। छतरपुर में ही जिस तालाब की तहरें कभी आज के छत्रसाल चौराहे से महल के पीछे तक और बसोरयाना से आकाशवाणी तक उछाल मारती थीं, वहां अब गंदगी, कंक्रीट के जंगल और बदबू रह गई है। बुंदेलखंड का मिजाज है कि हर पांच साल में दो बार कम बारिश होगी ही। इसके बावजूद अस्सी के दशक तक छतरपुर शहर में पानी का संकट नहीं था। इस बीच बाहर से आने वाले लोगों की बाढ़ आ गई। उनकी बसाहट और व्यापार के लिए जमीन की कमी पड़ी तो शहर के दर्जन भर तालाबों के किनारों पर लोगों ने कब्जे करने शुरू कर दिए। उन दिनों तो लोगों को लगा था कि पानी की आपूर्ति नल या हैंडपंप से होती है। जब तक लोगों को समझ आया कि नल या भूजल का अस्तित्व तो उन्हीं तालाबों पर निर्भर है, जिन्हें वे हड़प गए हैं तब तक देर हो चुकी थी। किशोर सागर कानपुर से सागर जाने वाले राजमार्ग पर है,



उसके आसपास नया छतरपुर बसना शुरू हुआ था। सो, किशोर सागर पर मकान, दुकान, बाजार, मॉल, बैंकवेत सभी कुछ बना दिए गए हैं। कहने की जरूरत नहीं कि कब्जे करने वालों में अधिकांश रसूखदार लोग हैं। कुछ सालों में बारिश के दौरान वहां बनी कालोनी के घरों में पानी भरने लगा तो लोगों ने प्रशासन को कोसा। किशोर सागर के बंदोबस्ती रिकार्ड के मुताबिक 1939-40 से 1951-52 तक खसरा नंबर 3087 का रकबा 8.20 एकड़ था। 1952-53 में इसके कोई चौथाई हिस्से को कुछ लोगों ने

अपने नाम करवा लिया। आज पता चल रहा है कि उसकी कोई स्वीकृति थी ही नहीं, वह तो बस रिकार्ड में गड़बड़ कर तालाब को किसी की संपत्ति बना दिया गया था। 2011 में तब के कलेक्टर ने अधीक्षक भूअभिलेख, एसडीएम और नायब तहसीलदार को तालाब की जांच कर अतिक्रमण हटाने के लिए पत्र जारी किया। तीनों अधिकारियों ने छह पन्ने की विस्तृत रिपोर्ट तैयार कर कलेक्टर को प्रेषित की। प्रतिवेदन में तालाब के मूल रकवे और भराव क्षेत्र को रेखांकित करते हुए नक्शा भी संलग्न

किया। पता चला कि लोग तालाब में घुस गए हैं न कि पानी उनके घर में। मामला फिर ठंडे बस्ते में चला गया तो मामला एनजीटी की भोपाल बेंच पहुंचा। वहां ओए क्रमांक 22/2013 में 7 अगस्त, 2014 को एनजीटी ने किशोर सागर तालाब के मूल रकबा, भराव क्षेत्र और 10 मीटर के ग्रीन जोन को कब्जामुक्त करने का आदेश दिया। छतरपुर प्रशासन ने आदेश को दबा दिया। कब्जे तो हटे नहीं, बल्कि धीरे-धीरे तालाब के भराव क्षेत्र में कॉलोनी विकसित हो गई। जब एनजीटी के आदेश का अनुपालन नहीं हुआ तो समाज के लोग फिर एनजीटी गए। आवेदन नंबर 04/21 (सीजेड) दिनांक 20 सितम्बर, 2021 को सुनवाई के उपरांत अधिकरण ने जिला न्यायालय छतरपुर में विधि अनुसार कार्यवाही करने हेतु प्रकरण अंतरित किया। तब से यह मामला छतरपुर के न्यायालय में विचाराधीन है। मामले की सुनवाई के दौरान न्यायालय ने कलेक्टर संदीप जी आर को व्यक्तिगत नाम से पत्र जारी कर प्रतिवेदन प्रस्तुत करने को कहा। एक बार फिर कार्यपालिका हावी दिखी और कलेक्टर ने जिला जज के पत्रों का जवाब नहीं दिया। राज्य सरकार की योजना का जब प्रचार हुआ तो समाज ने एनजीटी के आदेश की याद दिलावाई। पहले तो प्रशासन ने पत्रकार पर ही मुकदमा दर्ज करने की धमकी दी, फिर कुछ लोगों को अतिक्रमण हटाने का नोटिस थमा दिया। मामला अकेले किशोर सागर का नहीं है, पश्चिमी उत्तर प्रदेश की हिंडन नदी हो या पंजाब का बुड्डा नाला या बलिया का सुरहा ताल या नैनीताल की झील एनजीटी आदेश दे देता है, लेकिन क्रियान्वयन एजेंसी अर्थात जिला प्रशासन हाथ पर हाथधरे बैठा रहता है। समझना होगा कि यह बात हमारे संविधान के मूल कर्तव्यों में दर्ज है, सुप्रीम कोर्ट कई मामलों में समय-समय पर कहता रहा है, पर्यावरण मंत्रालय के दिशा-निर्देश भी हैं, और एनजीटी का आदेश भी कि-किसी भी नाले, नदी या तालाब, नहर, वन क्षेत्र को पर्यावरण को संतुलित करने का काम करते हैं-में किसी तरह का पक्का निर्माण नहीं किया जा सकता। ऐसी जल-निधियों के जल ग्रहण क्षेत्र या कैचमेंट एरिया के चारों ओर चालीस फुट दायरे में भी निर्माण नहीं हो सकता। किशोर सागर में तो निर्माण कर उसे डेढ़ एकड़ में समेट दिया गया। जरा अपने आसपास देखें, न जाने कितने किशोर सागर समय से पहले मरते दिख रहे होंगे। असल में ये तालाब-नदी नहीं मर रहे हैं, हम अपने आने वाले दिनों की प्यास को बढ़ा रहे हैं, जल संकट को बढ़ा रहे हैं, धरती के तापमान को बढ़ा रहे हैं। (लेख में विचार निजी हैं)

संपादकीय

भारतीय विचार पर हमला

पहलगाम में सैलानियों पर हुआ क्रूर आतंकी हमला सिर्फ चंद लोगों को मार कर दहशत फैलाने के उद्देश्य से किया गया हमला नहीं था, बल्कि यह उन दावों पर भी हमला था जो मोदी सरकार पिछले लंबे समय से कश्मीर में शांति स्थापित होने, विकास की प्रक्रिया तेज होने और वहां एक निर्वाचित सरकार के प्रतिष्ठित हो जाने के तौर पर करती आ रही थी। यह भारतीय सुरक्षा बलों की कार्यकुशलता, कश्मीर की सुरक्षा तथा वर्तमान प्रशासन की सक्षमता पर भी सीधा हमला था। यह कश्मीरियों के साथभारत सरकार के सुधरते लगते रिश्तों पर भी हमला था। कश्मीर के पर्यटन पर प्रहार था और भारत की उस सांझी संस्कृति और सांझी चेतना पर भी प्रहार था जो धार्मिक एकता की प्रबल पक्षधर रही है और आतंक के बारे में कहती रही है कि आतंकवाद का कोई धर्म नहीं होता, वे सिर्फ आतंकवादी होते हैं। यह ध्यान रखने की बात है कि हमला उस समय हुआ जब प्रधानमंत्री मोदी सऊदी अरब के दौर पर थे, अमेरिका के उप-राष्ट्रपति वेंस भारत के दौर पर थे और जब भारत में मुस्लिम संगठन वक्फ कानून के विरोधमें भारत सरकार को सीधे चुनौती तो कहीं-कहीं धमकी देने के स्तर पर उतरे हुए हैं। इसलिए इस हमले के

प्रभाव को मात्र कश्मीर तक सीमित न मान कर इन सभी परिघटनाओं के संदर्भ में देखा जाना चाहिए जैसा कि आम तौर पर आतंकी घटनाओं के बाद होता है, इस बार भी हुआ है कि पूरा देश खदबदा रहा है। इस हमले को लोग कई नजरिए से देख रहे हैं। कुछ इसे भारत सरकार की असफलता मान कर घटना का दोष उस पर मढ़ रहे हैं तो कुछ इसे इस्लामी कट्टरपंथ से जोड़ रहे हैं। अब भारत सरकार के सामने एक नहीं, कई चुनौतियां आकर खड़ी हो गई हैं कि वह माने कि कश्मीर में आतंकवाद खत्म नहीं हुआ है और जब तक बगल में पाकिस्तान है तब तक उसके खत्म होने की कोईसंभावना भी नहीं है। इसलिए उसे समझना होगा कि वह शांति क्षेत्रनहीं है जिसका वह दावा कर रही है, बल्कि निरंतर जारी युद्ध का क्षेत्रमें है, इसलिए उसे स्वयं को 24 घंटे युद्धके भाव में ही रहना होगा। उसके सामने दूसरी सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वह देश के भीतर उन तत्वों को सफल न होने दे जो भारत को अपने कुत्सित एजेंडे के तहत अस्थिरता और असुरक्षा में धकेलने के लिए निरंतर सक्रिय रहते हैं। भारत सरकार के लिएयह सुखद स्थिति है कि इस हमले के बाद समूचा कश्मीर इस घटना की निंदा कर रहा है, और इसके विरुद्धउतर आया है।

चिंतन-मनन

ईश्वर का स्वरूप क्या है?

पहले अपने स्वरूप को जानें
एक महात्मा से किसी ने पूछ- ईश्वर का स्वरूप क्या है?
महात्मा ने उसी से पूछ दिया-तुम अपना स्वरूप जानते हो?
वह बोला- नहीं जानता।
तब महात्मा ने कहा- अपने स्वरूप को जानते नहीं जो साढ़े तीन हाथ के शरीर में मैं-मैं कर रहा है और संपूर्ण विश्व के अधिष्ठान परमात्मा को जानने चले हो। पहले अपने को जान लो, तब परमात्मा को तुरंत जान जाओगे। एक व्यक्ति एक वस्तु को दूरबीन से देख रहा है। यदि उसे यह नहीं ज्ञान है कि वह यंत्र वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु का आकार कितना बड़ा करके दिखलाता है, तो उसे वस्तु के सही स्वरूप का ज्ञान कैसे होगा?
अतः अपने यंत्र के विषय में पहले जानना आवश्यक है। हमारा ज्ञान इंद्रियों के द्वारा संसार दिखलाता है। हम यह नहीं जानते कि वह दिखाने वाला हमें यह संसार यथावत? ही दिखलाता है या घटा-बढ़ाकर या विकृत करके दिखलाता है। गुलाब को नेत्र कहते हैं- यह गुलाबी है। नासिका कहती है- यह इसमें एक प्रिय सुगंध है। त्वचा कहती है- यह कोमल और शीतल है। चखने पर मालूम पड़ेगा कि इसका स्वाद कैसा है। पूरी बात कोई इंद्रि नहीं बतलाती। सब इंद्रियां मिलकर भी वस्तु के पूरे स्वभाव को नहीं बतला पातीं।



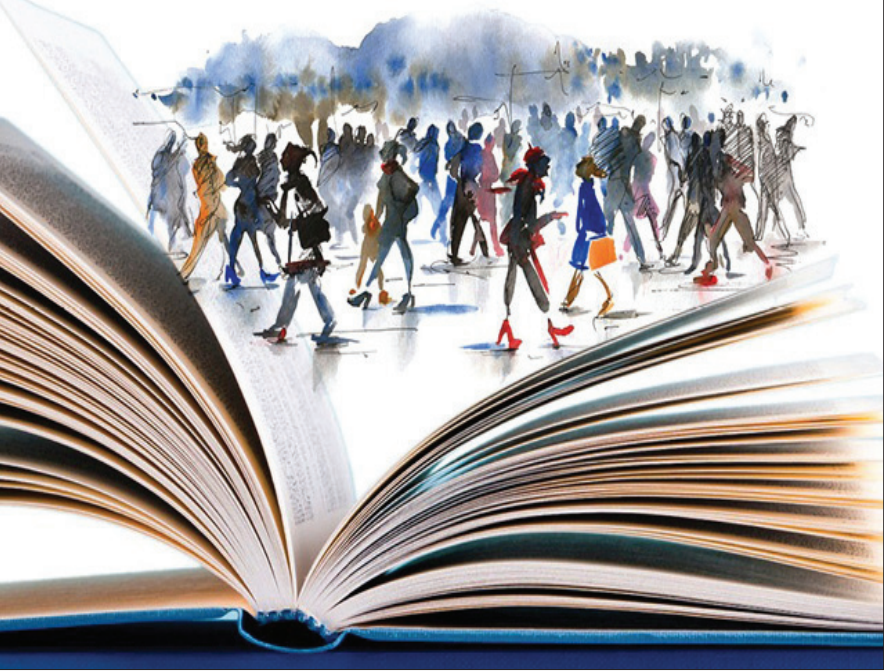
सौमन लववंशी

कभी किताबें धरोहर होती थीं, अब वे सिर्फ सजावट बनकर रह गई हैं। दीवारों पर टंगी तस्वीरों और दराज में पड़ी पुरानी डायरी की तरह किताबें भी बीते समय की याद भर हैं। यूनेस्को ने 23 अप्रैल को विश्व पुस्तक दिवस घोषित किया था ताकि समाज किताबों की अहमियत को दोबारा समझे, मगर आज सवाल ये है कि क्या हम वाकई समझना चाहते हैं? अब किताबें पढ़ी नहीं जातीं, खरीदी जाती हैं ताकि इंस्टाग्राम पर उनकी तस्वीर लगाई जा सके। पढ़ने की जगह स्कॉल करने का चलन है। औसतन एक भारतीय प्रतिदिन 2.36 घंटे सोशल मीडिया पर बिताता है, जबकि पढ़ने में महज 2.7 मिनट खर्च करता है। इससे ज्यादा किसी समाज की बौद्धिक दरिद्रता का प्रमाण और क्या होगा? पहले पढ़ा हुआ ज्ञान होता था, अब सुना हुआ भ्रम है। गुगल पर किताबों के बिना ज्ञान खोजिए, सैकड़ों वीडियो मिल जाएंगे जो साबित करने पर आमदा हैं कि बिना पढ़े भी दुनिया बदली जा सकती है। पर क्या सचमुच ऐसा है? क्या यूटून, टेलिस्टॉय, अबैडकर या प्रेमचंद ने किताबों के बिना क्रांति की थी? नहीं। तो फिर आधुनिक भारत क्यों इस भ्रमित दिशा में बढ़ चला है? हम विश्वगुरु बनने को आतुर हैं, जबकि युवा पीढ़ी किताबों से दूर होती जा रही है। अस्सर-2023 की



अमलेंद्र मिश्रा खां

कुछ समय पहले थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में भूकंप के झटके में एक निर्माणधीन बिल्डिंग गिर गई थी। हालांकि किसी की मौत नहीं हुई थी। फिर भी थाईलैंड सरकार ने बिल्डिंग गिरने की घटना की जांच के लिए समिति बना दी ताकि पता लगाया जा सके कि निर्माणधीन बिल्डिंग में नियमों का पालन किया जा रहा था या नहीं। लेकिन भारत में एक के बाद एक मकान या बिल्डिंग गिरती जा रही हैं, और कई लोगों को जान तक गंवानी पड़ती है, लेकिन किसी तरह की सख्त कार्रवाई की जरूरत नहीं समझी जाती। सवाल उठता है कि क्या बिल्डिंग या मकानों, जो बनाए जाते हैं, में निर्माण की मानकता का पालन किया जाता है, या नहीं। यदि किया जाता है, तो इस तरह की घटना क्यों होती है? साल 2022 में सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर नोएडा में सुपरटेक ट्विन टावर्स का विध्वंस किया गया था क्योंकि सुप्रीम कोर्ट ने पाया था कि टावरों का निर्माण अवैध रूप से और नियमों को ताक पर रख कर किया



रिपोर्ट के अनुसार, ग्रामीण भारत के 14-18 वर्ष के 25 प्रतिशत विद्यार्थी अपनी मातृभाषा में कक्षा दो की किताब तक नहीं पढ़ सकते। यह वही भारत है जहाँ शारदा पीठ, नालंदा और तक्षशिला जैसे ज्ञान केंद्रों ने विश्व को दिशा दी थी। एक अन्य रिपोर्ट कहती है कि भारत में हर तीसरा ग्रेजुएट अपनी डिग्री के बाद फिर कभी कोई किताब नहीं पढ़ता। फिर भी हम समाज में विवेक, तार्किकता और आलोचनात्मक सोच की अपेक्षा करते हैं? आज पढ़ना 'बोरिंग' और रीस्प 'एंटरटेनिंग' हो गई हैं। क्या यह मनोरंजन की लत हमारी मानसिक आजादी को नहीं निगल रही?

आज का युवा ऐतिहासिक उपन्यास नहीं पढ़ता, लेकिन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस पर शॉर्ट्स जरूर देखता है। नतीजा ये है कि मोबाइल में डेटा तो भरपूर है, लेकिन मानव सोचने समझने की दृष्टि से रिक्त हो चला है। किताबें केवल सूचना नहीं देतीं, सोचने की कला सिखाती हैं। जो समाज किताबों से दूर होता है, वह आलोचना को सह नहीं पाता, वह भीड़ का हिस्सा बन जाता है, विचार का नहीं। तकनीक तात्कालिक ज्ञान देती है, जबकि किताबें स्थायी सोच रचती हैं। आजकल के युवा तकनीक से पढ़ाई कर समय बचाने पर गर्व करते हैं, लेकिन सवाल उठता है कि मानव ने

दिल्ली: इमारतों की सुरक्षा भगवान भरोसे

गया। सुपरटेक ट्विन टावर्स का विध्वंस पूरी दुनिया में सुर्खियां में बना था। कोर्ट ने यह भी पाया कि नोएडा प्राधिकरण और सुपरटेक के अधिकारियों के बीच 'घृणित मिलीभगत' थी, जिससे अवैध निर्माण को मंजूरी मिली। दिल्ली के मुस्तफाबाद में मकान गिरने से 11 लोगों की मौत और 11 लोगों के घायल होने की घटना संबंधित इस प्रकार की 'मिलीभगत' का ही एक ताजा उदाहरण है। मुस्तफाबाद में मकान गिरने का मामला कोई मामूली नहीं है। उत्तर पूर्वी दिल्ली में यह पहला मामला है जब मकान गिरने से 11 लोगों की मौत हुई है। इलाके में घड़ल्ले से पांच से छह मंजिला मकान बन रहे हैं। फिर नियम अधिकारी आँखें मूंद लेते हैं। बिल्डर घंटिया निर्माण सामग्री का इस्तेमाल कर फ्लैट बना कर बेच रहे हैं। स्थानीय निवासियों की मानें तो सीवर का गंदा पानी सालों से इमारतों की दीवारों में रिस रहा था और समय के साथ नमी ने बिल्डिंग को कमजोर कर दिया, जिससे दीवारों में दरारें पड़ गईं। इसी वजह से यह हादसा हुआ। जिस मिट्टी पर बिल्डिंग या मकान बनाए जाते हैं, वो मिट्टी कितना मजान झेलने लायक है, इस ओर स्थानीय निकाय या एमसीडी ने क्या कभी ध्यान दिया है? बुनियादी ढांचा जब ऊंची इमारतों का बोझ नहीं सह सकता तो ऐसे में हादसों को कौन रोक सकता है। मामला सिर्फ मुस्तफाबाद का नहीं है। दिल्ली हाई कोर्ट ने दिल्ली विकास प्राधिकरण को एक महिला और उसके नाबालिग बेटों को 11 लाख रुपये से अधिक का मुआवजा देने का आदेश दिया था। साल 1986-88 में झिलमिल कॉलोनी में 816 फ्लैटों के बहुमंजिला

परिसर के निर्माण में शामिल अधिकारियों और ठेकेदारों की जिम्मेदारी तय करने के लिए सीबीआई जांच की मांग की गई थी। 20 जुलाई, 2000 को याचिकाकर्ता की पत्नी के दूसरी मंजिल के अपार्टमेंट की बालकनी ढह गई, जिससे उसका पति गिर गया और उसे चोटें आईं। चिकित्सा सहायता और समय पर उपचार प्राप्त करने के बावजूद याचिकाकर्ता के पति ने दम तोड़ दिया। उन्होंने इस मौत के लिए 12 लाख रुपये के मुआवजे की मांग करते हुए आरोप लगाया कि डीडीए अधिकारियों ने ठेकेदारों के साथ मिल कर घंटिया निर्माण सामग्री का उपयोग करके धन का दुरुपयोग किया। राष्ट्रीय राजधानी में करीब 1,700 अनधिकृत कॉलोनियां हैं, जहां लाखों लोग रहते हैं। ये कॉलोनियां बिना सरकारी मंजूरी के विकसित हुईं और इनमें से कई में बुनियादी सुविधाएं जैसे पानी, बिजली और सीवरेज तक सीमित हैं। हाल के आंकड़ों के अनुसार, पिछले 10 साल में एमसीडी ने अवैध निर्माण के मामले में कुल 76,465 प्रॉपर्टी बुक कीं लेकिन कार्रवाई सिर्फ 62.4 प्रतिशत प्रॉपर्टी के खिलाफ ही की। 37.6 प्रतिशत प्रॉपर्टी के खिलाफ कोई एक्शन ही नहीं लिया गया। अवैध निर्माणों में बुक 11903 प्रॉपर्टी को एमसीडी ने सील कर छोड़ दिया। जितनी भी प्रॉपर्टी एमसीडी ने अवैध निर्माणों के मामले में बुक की हैं, उनमें से 98 प्रतिशत प्रॉपर्टी में लोग रह रहे हैं। इसी के चलते आए दिन बिल्डिंग गिरने से हादसे हो रहे हैं। इसी तरह नोएडा प्राधिकरण की तरफ से कम से कम 200 बिल्डिंग को अवैध घोषित किया गया है। इनका



निर्माण नियमों का उल्लंघन करके किया गया। शहरी विकास मंत्रालय जब तक अवैध कालोनियों के बसने पर रोक और पुरानी बिल्डिंगों के रखरखाव और संरचना की जानकारी अपने पास नहीं रखेगा तब तक मकानों के गिरने का सिलसिला जारी रहेगा।

BluSmart jolt sums up startup blues

Commuters in the National Capital Region and Bengaluru were in for a rude shock earlier this month when popular electric vehicle (EV)-based taxi-hailing startup BluSmart suddenly shut operations. This followed a stern directive from the Securities and Exchange Board of India (SEBI) to parent company Gensol Engineering, barring its founders from accessing the securities market or holding any directorial or key managerial roles. The market regulator’s actions were the result of a probe that revealed serious governance lapses, including the absence of any manufacturing activity at the company’s Pune

The SEBI order also laid bare other startling facts, including diversion of loans meant to buy EVs into the founders’ personal coffers. These were then used to purchase luxury goods and real estate. Though Gensol and BluSmart are separate entities, some of the founders are the same and the former leased EVs to the ride-hailing platform. The developments have sparked a debate over the credibility of rising stars in India’s startup ecosystem. The collapse of BluSmart comes less than a year after another spectacular failure, Byju’s, which had once reached celebrity status as a decacom. Financial mismanagement lay at the core of the famous edtech firm’s debacle. It did not involve personal malfeasance, though many clients of the former decacom sought to have the founder, Byju Raveendran, removed from the firm. In the Gensol case, however, SEBI discovered that the Jaggi brothers, who were co-founders, diverted funds for their personal use, leading to the abrupt closure of BluSmart and leaving left thousands of employees in the lurch. The BluSmart saga is being cited as evidence of the dismal state of startups in this country. Such conclusions may be hasty as studies show that even globally, 90 per cent of the startups are failures. There have been several big fiascos, including the Theranos scam. It was projected as a new healthcare system offering a device to carry out blood tests. This turned out to be fake and the founder is now in jail. WeWork, a startup that offered a revolutionary new way to look at office space was valued at \$47 billion in 2020 but had to fold up for reasons such as overly aggressive growth, erratic leadership and governance issues. Among the other names of big startup debacles are Quibi and Jawbone, while tech websites regularly publish the list of failed startups every year.

Thus, setbacks in the startup world are not a peculiarly Indian phenomenon. On the other hand, there have been a spate of highly successful ventures in this country. India ranks third in the number of unicorn startups in the world, trailing only the US and China. These are way ahead with 1,024 and 286 unicorns, respectively, compared to 116 here, according to Traxcn. Still, India’s tally is higher than that of both the UK and Germany, which are at fourth and fifth positions, respectively. Among the well-known startup brands are Flipkart, which is a fierce competitor to global giant Amazon. Similarly, Ola has been competing with international transport disrupter Uber, and boAt is now among the top five audio systems manufacturers globally. Others in the finance space are RazorPay, Cred and Instamojo, along with Groww, a stockbroking startup that provides financial education. Little-known unicorns with a big impact include Vernacular.ai, which is AI-enabled and provides multilingual chatbots in most local languages. One must not forget Skyroot Aerospace in the space sector, which has built a rocket engine and manufactured three launch vehicles. Swiggy and Zepto may be in the food delivery space, but innovation and pivoting to quick commerce have made them stand out. While lack of success in the startup ecosystem is part of the game, it has also become a learning curve for many who have graduated from unprofitable ventures to highly successful ones. In this context, it must be recognised that startups face red tape in the same proportion as other investors and endure the same bureaucratic complexities that bog down other new enterprises.

Pope tried to change church for women, with mixed success

Women have been appointed to administrative and management positions, but decision-making and ministry still largely rest with clergy men.

Pope Francis, the head of the Catholic Church, died on Easter Monday at the age of 88. On Easter Sunday, he used his message and blessing to appeal for peace in Middle East and Ukraine. Pope Francis will be remembered as a pastoral leader who cared deeply about the environment and those impacted by migration, poverty and war. During his Pontificate, he did make important changes to the patriarchal structure of the Catholic Church — but did he go far enough?

Throughout his papacy, Pope Francis highlighted the struggles of women in society. He took important steps to expand opportunities for women in the church and address its patriarchal structure. This was showcased by his inclusion of women in the 2024 synod (a global meeting of the whole church, represented by bishops) and his granting of voting rights for 57 women out of a total of 368 attendees. The appointment of around 20 women to positions of authority in the Vatican by the Pope is unprecedented. This includes the recent 2025 appointment of an Italian religious sister, Simona Brambilla, to lead a Vatican department. During his papacy, Pope Francis also strongly supported the ongoing involvement of women in positions of leadership in the Roman Curia (the governance body of the church).

At local levels, in parishes, he made it possible for women to be formally appointed to the positions of catechist and lector — roles previously reserved for men. He also emphasised a need for more women to study and teach theology. However, these changes barely scratched the surface of securing full equality for women in the Catholic Church. Pope Francis himself stated women still encountered obstacles, and opportunities for women to participate were under-utilised by local churches.

In his autobiography, published in January this year, he wrote of the "urgent challenge" to include women in central roles at every level of church life. He viewed this move as essential to "de-masculinising" the church and removing the problem of clericalism. Importantly, the reasoning that underpins women's limited role in the life of the church remains unchanged. In particular, Pope Francis referred to gender stereotypes and supported the theology of complementarianism (a view that women are different but equally valued, where their central contribution is to motherhood, femininity and pastoral care responsibilities). While Pope Francis was genuinely committed to dialogue about and with women, his legacy remains contradictory. Women have been appointed to administrative and management positions, but decision making and the ministry still largely rest with clergy men. Pope Francis' emphasis on the "feminine nature" women bring to roles, rather than their gifts and talents, limited



women. And although he called out discrimination against women in broader society, he expressed opposition to contemporary feminism, which he titled "gender ideology" and "machismo with a skirt."

Moreover, despite ongoing discussions, Pope Francis appeared to be unresponsive to calls for a greater role for women in the ministry. Women cannot preach during Mass or be ordained to the priesthood or diaconate, despite multiple attempts by Catholic reform groups to advocate for women's inclusion. The 2023 International Survey of Catholic Women, which surveyed more than 17,000 Catholic women from 104 countries and eight language groups, found women across the world were keen for church reform that recognises women's leadership capacities and ongoing contribution to church communities. More than eight in 10 (84 per cent) of the women surveyed supported reform in the church. Two-thirds (68 per cent) agreed women should be ordained to the priesthood and three-quarters (78 per cent) were supportive of women preaching during Mass. The survey reported on the deep frustration and despair women experienced for not having their gifts and talents recognised. Women also stated they are dissatisfied with the burden of labour they carry in the church. In this

regard, Pope Francis did not address the financial burdens and exploitation of Catholic women who work for the church without adequate recognition or pay. This leaves women, particularly those working in parishes, open to exploitation. More worryingly, decades after cases of abuse were reported to the Vatican, Pope Francis publicly acknowledged that women, particularly nuns, were significantly affected by spiritual and sexual abuse. While this recognition is important, church responses to abuse remain inadequate and more needs to be done to safeguard women in pastoral settings.

With regard to sexual and reproductive decision-making, the International Survey of Catholic Women found the majority of respondents wanted more freedom of conscience around such issues. This is because when they are denied by church law, women's agency is diminished and their vulnerability to situations of gendered violence increases. The papacy of Pope Francis has made no reforms in this area, leaving many Catholic women frustrated and disappointed. More than 60 years ago, Vatican II generated hope for change among Catholic women. Pope Francis reignited that hope, and listened. But responses have been too slow and Catholic women are still waiting for genuine reform.

Ramdev at it again

‘Sharbat jihad’ remarks draw HC ire



way, the high court was quick to see through his divisive ploy. Justice Amit Bansal observed that Ramdev’s “indefensible” action had shocked the

conscience of the court.

Ramdev’s warped business sense made him believe that he could poison Rooh Afza — which has always lived up to its “naturally refreshing” tagline — with the venom of communal hatred. After the court rap, he has promised to immediately remove videos and social media posts relating to his controversial remarks. However, it’s naïve to expect that he will mend his ways anytime soon. Barely eight months ago, the Supreme Court had closed contempt proceedings against him after accepting his undertaking to stop issuing misleading advertisements regarding the efficacy of Patanjali Ayurved products. The SC, however, had warned that it would “come down heavily” if there was any violation of its order. Ramdev might be lying low on that front, but he has laid bare his intolerance by targeting Hamdard, a trusted name that has stood the test of time for almost 120 years.

Good governance is not a show, it’s a daily grind

The question is which institution has been created in the past three decades? It is one of winning elections by giving endless doles and freebies.

In my experience, good governance does not require money. It requires effective and honest officers in the field and HQs. Such people are available, but they are not given the opportunity and, increasingly, it is the more compliant types who are the blue-eyed boys of the men at the top. The only complaint I have against senior officers is that they do not assert their authority, do not supervise, do not have a hands-on approach as much as they should. Governance is not a one-day affair, nor a flash in the pan, it is not press conferences, it is not huge advertisements, it is not simply celebrating all festivals through advertisements. It is a day-to-day grind; it is tedious routine work performed day in and day out. It is about doing your assigned work and getting the job done with the tools available to you

It is ensuring that the people (for the benefit of whom we exist) are not made to run from pillar to post to get a hearing. It is to make sure that files move on their own without having to be greased. Try to do this and see the satisfaction on the faces of the people (although you have done them no favour) by giving to them what is their just due — yes both 'justice and development'. They will remember you long after you have left the area, but mostly your work will be unsung and unremarkable in appearance, like the moving parts of a well-made machine.... One does not see the engine while driving a Mercedes, but the experience of driving or being driven in one is fantastic. Do justice as per facts and rules and help the development projects to be completed in time as per regulations. Occasionally, your job gives you the opportunity to be part of and contribute to projects or events which get recorded in history. There are legendary names which were part of our initial years of freedom: Homi Jehangir Bhabha will always be remembered as the 'father of the Indian nuclear programme', the credit for the rehabilitation of the

millions of refugees who came from Pakistan goes to Dr MS Randhawa (Director General Rehabilitation), who also played a critical role in the Green Revolution and the building of Chandigarh, Field Marshal Sam Manekshaw for his immense contributions to the Indian armed forces and the 1971 war victory. These are perhaps outsized examples of giants in the history of independent India, but it is these examples that motivated us in our formative years, and they were not alone. They were ably supported by a highly motivated team of officers and men in their respective fields. The defence of Longewala by a Company, 23rd Battalion, Punjab Regiment, led by Major Kuldeep Singh Chandpuri (with no armour) defending against overwhelming odds (two tank regiments) of the Pakistani Army will always be remembered for the heroism and professionalism of the Indian armed forces. Touring and regular inspections formed a vital part of the administration when we joined service. Officers then worked with much smaller teams and administered much greater geographical areas with little or no technology. Responsibility was clearly laid out and accountability was a given. Operational independence was insured by the officers and administrative set-up of the time and people delivered. Today, with all the technology and infrastructure at hand, it is pitiful to see the state of affairs. One does not administer with force, it is through 'Iqbal' — an old concept but even more apt today. Officers earlier spent time in the field to see things for themselves and get feedback from the public. There was an elaborate system of information and feedback from all strata of civil society. Honestly speaking, today how many secretaries to the government or heads of

department regularly visit the field to see ongoing projects of their departments? How many DMs/SSPs have spent 10 nights (in a month) in the field or gone for village touring? It was with these instruments that we met success in the field. Today, officers hold meaningless flag marches and press conferences and get



photographed. Flag marches are for law-and-order situations, not for gang wars and crime. Governance involves close methodological supervision at all levels. Coming closer home, the foundation stone of the Verka milk plant was laid by the then Chief Minister of Punjab Partap Singh Kairon in 1959. The plant was the first of its kind in northern India and it went on to become one of the most successful milk cooperatives in the country. Similarly, Markfed was started in 1954 as a marketing cooperative and today, it has crossed Rs 22,000 crore in

sales. Punjab Tractors Ltd (PTL) and the 'Swaraj' brand is again a story of the 1970s. It would be pertinent to mention again here the name of Partap Singh Kairon, who is historically recognised as the builder of modern Punjab. He was ably supported in this task by committed officers of the highest calibre, viz MS Randhawa, NK Mukherjee, Gurdial Singh (IG, Punjab) and NN Vohra. I could go on about the past, but the question is which institution has been created in the past three decades? It is one of winning elections by giving endless doles and freebies. We have lakhs of crores of rupees in debt (it is about to cross the Rs 4-lakh crore figure, a figure we can thank all the governments formed in the last few decades), yet we continue to shower largesse on citizens, who having got addicted, now look for the next dose (that needs to be bigger). Can we afford free bus rides, free power (as per a recent The Tribune story, the total power subsidy has crossed Rs 1.25 lakh crore) — it's a long list. Wouldn't the citizenry be better served if we create more Verkas, PTLs and Markfeds? Wouldn't it be better served if we had an international airport which was actually international? Or, schools, colleges and hospitals which actually have quality education and facilities? We are again at a pivotal point in history. Major shifts are occurring in international trade and geopolitics. At the same time, AI, quantum computing and robotics are entering as major disruptors. The ebb and flow of human civilisations will continue. It is for the people and the leadership to determine whether history will record it as a turning point for the better or, as per the old saying, 'khandar batate hein ki imarat kabhi buland thee.'

Why Rallis India shares tumbled over 6% after Q4 results



New Delhi. Rallis India shares came under pressure on Thursday after the agri-input maker reported a disappointing set of fourth-quarter numbers. The stock plunged over 6% in early trade before paring some losses to trade 4.9% lower at Rs 241.45 by 9:56 am.The Tata Group company posted a wider net loss of Rs 32 crore for the quarter ended March 31, 2025, compared to Rs 22 crore in the same period last year.

The deeper red ink was driven by flat revenues and a rise in operating costs. Quarterly revenue came in marginally lower at Rs 430 crore versus Rs 436 crore in Q4FY24.Full-year performance also reflected strain, with net profit for FY25 slipping to Rs 125 crore from Rs 148 crore a year earlier. Revenue for the year stood nearly unchanged at Rs 2,663 crore compared to Rs 2,648 crore in FY24.

Despite the earnings drag, the board has recommended a final dividend of Rs 2.50 per share (250% on a face value of Rs 1) for FY25.Rallis India, a subsidiary of Tata Chemicals, is one of the leading agro-sciences firms in the country. With a wide portfolio of crop protection and agri-input solutions, the company has partnerships with several global agrochemical players.

HoABL enters vertical realty business, to invest Rs 2,500 crore

NEW DELHI.The House of Abhinandan Lodha (HoABL), a leading land developer, has officially announced its strategic entry into the vertical real estate sector with an investment of Rs 2,500 crore.

“Marking this foray are three marquee projects located across the length of Mumbai—American Culture Centre in Marine Lines, a project overlooking Chowpatty beach and a joint development agreement (JDA) with Mittal Builders in Naigaon,” the company said in a statement.

“With a collective development potential of 3.1 million sq ft, the company expects to generate revenue of Rs 3,500 crore, with a total investment of Rs 2,500 crore. All three projects are expected to be launched from Q2 of FY 2025–26 and would be completed over the next five years,” it added.

STORY CONTINUES BELOW THIS AD

The funding would be through mix of internal accruals and debt for working capital and pre-sales, said Abhinandan Lodha, Chairman of HoABL.

“With our big bang foray into vertical development — from South Mumbai to North MMR — we aim to address gaps in vertical real estate through multiple projects,” he said.Acquired in December 2024, the American culture centre project has a development potential of approximately 60,000 sq ft and is being developed as a commercial property. The Chowpatty (South Mumbai) project, which has a development potential of around 50,000 sq ft, will be a premier residential project.

From watches to handbags, and paintings: Income Tax dept notifies luxury items on which taxpayers will have to pay 1% TCS

New Delhi. Wrist watches, handbags, antiques, paintings, sculptures, sunglasses, home theatre systems, shoes and sportswear priced over Rs 10 lakh will now face a Tax Collected at Source (TCS) levy of 1 per cent at the point of sale effective Tuesday, the Income Tax Department said in an official notification.

Though this announcement to bring in some goods, apart from motor vehicles, into the ambit of TCS was announced in the July 2024 Budget and was to be implemented from January 1 this year, the I-T Department has notified the categories of other items now.

The move is expected to help the tax authorities to trace the sale of such luxury goods and match it with the income tax profile of taxpayers to detect any possible evasion.

What are the items that are likely to invite TCS levy

In a notification dated April 22, the Income Tax Department has notified the new rules for the levy of TCS on sales of these luxury items priced over Rs 10 lakh. As per the list shared by the Department, sale of any wrist watch; any art piece such as antiques, painting, sculpture; any collectibles such as coin, stamp; any yacht, rowing boat, canoe, helicopter; any pair of sunglasses; any bag such as handbag, purse; any pair of shoes; any sportswear and equipment such as golf kit, ski-wear; any home theatre system; and any horse for horse racing in race clubs, horse for polo, will now attract a 1 per cent TCS.

The obligation to collect TCS will be on the seller in respect of the notified goods such as wrist watches, art objects such as paintings, sculptures, and antiques, collectible items including coins and stamps, yachts, helicopters, luxury handbags, sunglasses, footwear, high-end sportswear and equipment, home theatre systems, and horses intended for racing or polo.

Sensex, Nifty slip as investors book profit after 7-day market rally

New Delhi. Benchmark stock market indices opened lower on Thursday, as investors booked profit in early trade, given Dalal Street has logged gains in the last seven sessions.The S&P BSE Sensex fell by 159.23 points to 79,957.26, while the NSE Nifty50 was down by 72.20 points to 24,256.75 as of 9:28 am.Dr. VK Vijayakumar, Chief Investment Strategist, Geojit Investments Limited, said that Nifty’s decoupling from the S&P 500 is striking."While S&P 500 is down 8.4% YTD Nifty is up 2.27% YTD. The resilience of the Indian economy, the expected slowdown in the US economy, the weakness in the dollar and the steady FII buying in India of Rs 21263 crores in the last 6 days are contributing to the outperformance of India," he added.

IndusInd Bank led the gainers pack with a rise of 3.79% on Sensex, followed by Nestle India gaining 1.51%.Tech Mahindra continued its recent positive



momentum with a 1.39% increase, while Hindustan Unilever added 1.19%, and Axis Bank rounded out the top five gainers with a 1.04% uptick.

Eternal Enterprises saw the steepest decline of 1.11%, while Bharti Airtel

dropped by 1.03%. LT (Larsen & Toubro) fell by 0.38%, ICICI Bank decreased by 0.36%, and Reliance Industries slipped by 0.25%.

"The stretched valuations (Nifty is trading above 20 times estimated FY 26

earnings) will constrain the rally. In the very short run, the market may respond to the results flowing in," said Vijayakumar.

The broader indices posted modest gains with the Nifty Midcap100 advancing 0.11% and the Nifty Smallcap100 rising 0.27%, while market volatility increased as India VIX climbed 3.46%.

Among sectoral indices, decent performances were seen in Nifty Pharma leading the gainers with a 0.74% jump, followed by Nifty Metal up 0.43%, Nifty PSU Bank rising 0.35%, Nifty Healthcare adding 0.19%, Nifty Oil & Gas edging up 0.07%, Nifty FMCG gaining 0.06%, Nifty Private Bank increasing 0.03%, and Nifty IT closing marginally higher by 0.02%.Nifty Realty faced a decline of 0.96%, while Nifty Consumer Durables fell 0.28%, Nifty Financial Services dropped 0.22%, Nifty Auto slipped 0.14%, and Nifty Media shed 0.07%.

HUL Q4 profit falls 4% to Rs 2,464 crore; announces Rs 24 final dividend

NEW DELHI. Hindustan Unilever Ltd (HUL) posted a modest dip in net profit for the fourth quarter of FY25, weighed down by rising expenses despite steady revenue growth. HUL shares tumbled nearly 4% after the company reported its Q4 results.

The FMCG major reported a consolidated net profit of Rs 2,464 crore for the March quarter, down 3.7% from Rs 2,558 crore in the same period last year.

Total income, however, rose 3.5% year-on-year to Rs 15,979 crore, supported by consistent demand across key categories. Operating expenses climbed to Rs 12,478 crore from Rs 12,100 crore in Q4 FY24, squeezing margins.The HUL board declared a final dividend of Rs 24 per share for FY25. This

comes on top of an interim dividend of Rs 19 and a special dividend of Rs 10 paid in November 2024, taking the total dividend payout for the year to Rs 53 per share.Despite the dividend cheer, HUL shares edged lower post-



results, down 1.01% at Rs 2,397.75. The stock has shed over 4% in the past six months, reflecting investor caution amid muted earnings

momentum.

From a technical standpoint, HUL remains on solid ground in the short term—trading above its 5- to 100-day moving averages.

However, it’s still below its longer-term 150- and 200-day averages. The stock’s 14-day RSI sits at 61.49, indicating it’s neither oversold nor overbought.

Valuation-wise, HUL continues to trade at a premium with a price-to-earnings (P/E) ratio of 53.09 and a price-to-book (P/B) value of 11.10.The company posted an earnings per share (EPS) of Rs 44.93 and a return on equity (RoE) of 20.91%. Promoter holding remained unchanged at 61.90% as of March 2025.With a one-year beta of just 0.2, HUL’s stock remains a low-volatility play—stable, but clearly under scrutiny for earnings growth.

Sovereign Gold Bond Premature Redemption Series IV 2017-18, Series II SGB 2018-19 Announced: Check Price

NEW DELHI. The final redemption of two Sovereign Gold Bond Series IV 2017-18, Series II SGB 2018-19 is due April 23, 2025, the Reserve Bank of India has said.

The final redemption price of SGB shall be based on the simple average of closing gold price of 999 purity of previous three business days from the date of redemption, as published by the India Bullion and Jewellers Association Ltd (IBJA).

"In terms of GOI Notification F. No.4(25)-W&M/2017 dated October 06, 2017 (SGB 2017-18 Series IV-Issue date October 23, 2017) and GOI Notification F. No.4(22)-W&M/2018 dated October 08, 2018 (SGB 2018-19 Series II-Issue date October 23, 2018) on Sovereign Gold Bond Scheme, premature redemption of Gold Bond may be permitted after



fifth year from the date of issue of such Gold Bond on the date on which interest is payable. Accordingly, the next due date of premature redemption of the above tranche shall be April 23, 2025," RBI said.

Sovereign Gold Bond Scheme: How Much Money Will You Get?

Further, the redemption price of SGB shall be based on the simple average of closing gold price of 999 purity of

previous three business days from the date of redemption, as published by the India Bullion and Jewellers Association Ltd (IBJA).

Accordingly, the redemption price for premature redemption due on April 23, 2025, shall be Rs 9,669/- (Rupees Nine Thousand Six Hundred and Sixty-nine only) per unit of SGB based on the simple average of closing gold price for the three business days i.e., April 17, April 21, and April 22, 2025.

What is Sovereign Gold Bond Scheme?

Sovereign Gold Bond Scheme are government securities denominated in grams of gold. They are substitutes for holding physical gold. Investors have to pay the issue price in cash and the bonds will be redeemed in cash on maturity. The Bond is issued by Reserve Bank on behalf of Government of India.

ICAI to examine books of crisis-hit Gensol Engineering and BluSmart

Gensol Engineering and BluSmart are currently facing scrutiny after serious questions were raised about their financial dealings and governance practices.

New Delhi. The Institute of Chartered Accountants of India (ICAI) will review the financial statements of Gensol Engineering Ltd and BluSmart Mobility Pvt Ltd for the financial year 2023-24. Both companies are currently facing scrutiny after serious questions were raised about their financial dealings and governance practices.The decision to carry out the review was taken at the latest board meeting of the Financial Reporting Review Board (FRRB), which functions under ICAI. ICAI President Charanjot Singh Nanda confirmed the move on Wednesday. He said the board will look into the financial statements and the statutory auditors'

reports of the two companies for the 2023-24 financial year.

Gensol Engineering is a listed company that works in the solar engineering sector. It is facing investigations after the Securities and Exchange Board of India (Sebi) recently barred its promoters Anmol Singh Jaggi and Puneet Singh Jaggi from accessing the securities market. Sebi’s action came after allegations that the promoters diverted loan funds from the company for their personal use. The market regulator’s order, dated April 15, pointed to serious gaps in corporate governance and financial conduct.

BluSmart Mobility, which provides electric ride-hailing services, is also linked to Anmol Singh Jaggi. It is not listed, but given the connection to Gensol and the concerns raised about fund use, the ICAI has decided to examine its financial records as well.

The FRRB is responsible for checking whether financial statements and audit reports follow the correct accounting and auditing standards. It also looks at whether companies are following rules under the Companies Act, 2013 —

particularly Schedules II and III, which deal with depreciation and presentation of financial statements.

Apart from this, FRRB checks whether the financial statements match the guidance notes issued by the ICAI and if they



follow the circulars and directions given by the Reserve Bank of India (RBI). If the board finds serious issues in the statements or audits, the matter will be passed on to ICAI’s Director Discipline for a deeper probe. The case can also be sent to relevant regulators for further action.

Meanwhile, the Ministry of Corporate Affairs has also taken note of the matter. As per media reports, it would take necessary action after reviewing Sebi’s findings on Gensol. The ministry enforces the Companies Act, 2013, and has the power to order inspections or even detailed investigations through the Serious Fraud Investigation Office (SFIO) if serious wrongdoing is found.

Under the Companies Act, the Registrar of Companies (RoC) can inspect a company’s books. If the RoC finds any financial misconduct or violation, it can recommend a wider investigation by the SFIO.

Tears, silence, heartbreak as bodies of 26 Pahalgam victims return home

At least 26 tourists were killed in Kashmir's Pahalgam on Tuesday after the terrorists confirmed their religious identities. Heartbreaking images of tourists' bodies being received by friends and families across India have now emerged.

New Delhi. Bodies of tourists who died in the Pahalgam attacks are being brought to their respective cities in India, with top leaders and chief ministers arriving at the locations to console the family members. In the attack that primarily targeted Hindus, male members of families were shot dead in front of their families by The Resistance Front, an offshoot of Lashkar-e-Taiba. At least 26 tourists were killed in Kashmir's Pahalgam on Tuesday after the terrorists confirmed their religious identities. Heartbreaking images of tourists' bodies being received by friends and families across India have now emerged. In the first two pictures, the body of Indore resident, Sushil Nathaniel, is being received by his wife, Jenifer, and his son, Nathaniel.



Even though Nathaniel identified as a Christian, he was shot dead. His daughter, Akansha, survived a gunshot wound to her leg. Meanwhile, the bodies of two tourists from Karnataka - Manjunath Rao and Bharath Bushan - also arrived at the Kempegowda International

Airport in Bengaluru on Thursday. Chief Minister Siddaramaiah was present with the grieving families as soon as their bodies were flown in. While Rao will be cremated in his hometown Shivamogga, Bushan's last rites will be held in Bengaluru.



India pauses Indus Waters Treaty: What next for Pakistan?

From creating storage on the western rivers - Indus, Jhelum, and Chenab - to stopping the sharing of water flow data, the implications could be disastrous for Pakistan, which is heavily dependent on the Indus River System. Under such circumstances, what options do Pakistan really have? Find out

New Delhi. India's decision to pause the Indus Waters Treaty (IWT), which has stood strong since 1960, is both unprecedented and bold. In response to the Pahalgam attacks that claimed the lives of 26 tourists, India, in a first, has halted the Indus Waters Treaty (IWT) of 1960. "The Indus Waters Treaty of 1960 will be held in abeyance with immediate effect, until Pakistan credibly and irrevocably abjures its support for cross-border terrorism," Foreign Secretary Vikram Misri stated on Wednesday evening. Even after the attacks in Pulwama in 2019 and Uri in 2016, New Delhi's demands to stop the flow of India's share of water to Pakistan did not materialise. After the Uri attacks that killed 18 soldiers, Prime Minister Narendra Modi said at the Indus Water Treaty meeting that "blood and water can't flow together at the same time." With India now putting the treaty on hold, New



Delhi is left with several options. From creating storage on the western rivers - Indus, Jhelum, and Chenab - to stopping the sharing of water flow data, the implications could be disastrous for Pakistan, which is heavily dependent on the Indus River System.

Under such circumstances, what options does Pakistan really have?

WHAT OPTIONS DOES PAKISTAN HAVE?

While the World Bank-brokered treaty does not mention that the UN's judicial arm, the International Court of Justice (ICJ), can intervene, it does establish a three-tiered resolution mechanism. According to the three-pronged mechanism, the Permanent Indus Commission (PIC), comprising commissioners from both countries, is the initial point for resolving disputes arising out of water sharing between the two nations.

However, if the issue fails to be resolved by the PIC, it is then referred to a World Bank-appointed neutral expert, as was the case in the recent disputes between India and Pakistan over the Kishenganga and Ratle hydroelectric projects. In that instance, the neutral expert supported New Delhi's position - a welcome decision for India. According to India's Ministry of External Affairs (MEA), "The decision of the Neutral Expert on all matters within his competence shall be final and binding."

Finally, the matter can be taken to the Permanent Court of Arbitration (PCA) in The Hague under the provisions of Article IX. In the latest dispute over the Kishenganga and Ratle hydroelectric projects, Pakistan wanted to approach the PCA instead of a neutral expert. "Unless otherwise agreed, between the Parties, a Court of Arbitration shall consist of seven arbitrators appointed," states MEA.

CAN INDIA WALK OUT OF INDUS TREATY?

According to the wording of the IWT - signed between then-Indian Prime Minister Jawaharlal Nehru and his Pakistani counterpart, General Ayub Khan - neither India nor Pakistan can unilaterally cancel the treaty, nor can either country abandon the pact.

India's 'persona non grata' move against Pakistan diplomats after J&K attack

New Delhi. India summoned Pakistan's top diplomat, Saad Ahmad Warraich, in New Delhi late last night and a formal persona non grata note was handed over for all Pakistani military diplomats, sources confirmed. India's strong diplomatic retaliation follows the brutal terrorist attack in Pahalgam, which left 26 people dead, including 25 Indians and one Nepali national.

The forced scaling down of Pakistan's High Commission in New Delhi, including the expulsion of all Pakistani Defence, Naval, and Air Advisors, is seen as one of the most consequential measures taken by India following the Pahalgam attack. They have been given a week's time to exit. Indian counterparts will also be withdrawn from Islamabad. This move, seen as a prelude to a possible complete shutdown of the High Commission, has already rattled Pakistan's Foreign Office, as it has been completely cut off diplomatically by India.

Prime Minister Narendra Modi chaired a meeting of the Cabinet Committee on Security (CCS) on Wednesday, during which an unprecedented series of steps were taken in response to Pakistan's cross-border terrorism. The meeting was attended by Home Minister Amit Shah, External Affairs Minister S Jaishankar, National Security Advisor Ajit Doval, Defence Minister Rajnath Singh and other highly-ranking officials.

In a strongly worded statement issued late Wednesday evening, India announced the effective downgrading of diplomatic relations with Pakistan, closure of key border routes, suspension of the Indus Waters Treaty, and the expulsion of Pakistani military attaches from its High Commission in New Delhi.

Foreign Secretary Vikram Misri addressed the news conference by promising that India would pursue those responsible for the attacks. "CCS reviewed the overall security situation and directed all forces to maintain high vigilance. It is resolved that the perpetrators of this attack will be brought to justice and their sponsors held to account. India will be unrelenting in the pursuit of those who have committed acts of terror or conspired to make them possible," he said.

PAHALGAM TERROR ATTACK

On Tuesday afternoon, five to six terrorists opened fire on a group of tourists in the Baisaran meadow, which is around 5 kms from Pahalgam. The meadow - also known as 'mini Switzerland' - is accessible only by foot or by horseback. The Pahalgam carnage was one of the deadliest civilian attacks in the Kashmir Valley in recent years. The Resistance Front (TRF), an offshoot of the Lashkar-e-Taiba, claimed responsibility for the attack.

This is wrong, had 45-day visa: Pakistani leaves India after Attari border closure

New Delhi. As India tightens its diplomatic and strategic stance against Pakistan following the terror attack in Jammu and Kashmir's Pahalgam that killed 26 people, several Pakistani nationals have been seen making hurried exits from the country. Among them, a Pakistani visitor who spoke to India Today TV expressed disappointment over India's decision to close the Attari-Wagah border.

"We came here to attend an event. We had a visa for 45 days, but we have to leave India in this condition. We came here on April 15," he said. Reacting to the closure of the key border point, he added, "Closing the border is a wrong move. There should be brotherhood between the two nations. But whatever is happening, is wrong."

When asked about the suspected Pakistani involvement in the Pahalgam attack, the man declined to draw conclusions. "Nobody can tell who orchestrated the attack," he said. On Wednesday, the Ministry of External Affairs announced a set of sweeping measures aimed at diplomatically isolating Pakistan in response to the attack. These include the immediate closure of the Attari-Wagah border and the suspension of the SAARC Visa Exemption Scheme for Pakistani nationals. All existing visas issued under the scheme have been revoked, and Pakistani citizens currently in India have been asked to leave within 48 hours.

Authorities have also directed that all Pakistani nationals with valid travel documents who entered India recently must return to Pakistan by May 1, 2025. The closure of the border, a significant conduit for trade and people-to-people contact, marks a severe downturn in bilateral engagement. In another development, a soldier died after security forces established contact with terrorists hiding in Udhampur and a gunfight broke out.

Army identifies 42 terrorist launch pads across PoK after Pahalgam attack: Sources

According to intelligence inputs, 42 terrorist launch pads are active in Pakistan-occupied Kashmir near the LoC. Around 130 terrorists are suspected to be present in these launch pads.

New Delhi. Indian security forces have zeroed in on specific terror launch pads and training camps situated across Pakistan-occupied Kashmir (PoK), less than 40 hours after the Pahalgam terrorist attack in which 26 people, including a Nepali citizen, were killed, sources .

According to intelligence inputs, these facilities have been under close surveillance by Indian agencies for months. A comprehensive briefing was shared by the Army with Defence Minister Rajnath Singh, including operational options and strategic recommendations.

The Army is closely monitoring these developments. Tactical options, including precision surveillance expansion and reinforcement of the counter-infiltration grid, are under consideration.

An estimated 150-200 trained terrorists are currently stationed across various camps, primed for infiltration attempts

opposite Jammu and Kashmir, intelligence inputs revealed.

The Pakistan Army is reportedly facilitating these infiltrations, with a recent attempt near the Battal sector resulting in a significant firefight.



Sources claim the 642 Mujahid Battalion suffered heavy casualties during this failed infiltration bid.

Additionally, a total of 60 foreign terrorists from Hizbul Mujahideen (HM), Jaish-e-Mohammed (JeM), and Lashkar-e-Taiba (LeT) are active in

Jammu and Kashmir. The number of local terrorists active in the union territory is 17.

PAKISTAN ARMY DECLARES HIGH ALERT ON ITS SIDE OF LoC

The Pakistan Army has declared high alert on its side of the Line of Control. According to Indian intelligence sources, this has been done in anticipation of possible Indian action.

This year, the Pakistan Army has violated the ceasefire three times in Jammu and Kashmir. During this period, five terrorists were killed in an encounter with the Indian Army.

According to intelligence inputs, 42 terrorist launch pads are active in Pakistan-occupied Kashmir near the LoC. Around 130 terrorists are suspected to be present in these launch pads. Over 70 terrorists are active in the Kashmir Valley and 60-65 in Jammu, Rajouri, and Poonch. About 115 of these are Pakistani nationals.

ED raids 8 locations linked to FIITJEE in Delhi-NCR over closure of centres

New Delhi. The Enforcement Directorate (ED) on Wednesday carried out searches at eight locations linked to coaching institute FIITJEE across Delhi, Noida, and Gurugram in connection with allegations of financial irregularities. The raids, which are currently ongoing, include premises associated with FIITJEE owner DK Goel and are part of a broader probe into the abrupt closure of several of the institute's centres earlier this year.

According to investigators, the shutdown of hundreds of FIITJEE centres affected the academic future of nearly 12,000 students. Meanwhile, the institute's owners allegedly made a profit of around Rs 12 crore, sparking outrage among parents and students alike. The Enforcement Directorate's

involvement follows earlier action by the Noida Police, who froze more than 300 bank accounts connected to FIITJEE and seized Rs 60 lakh in cash.



The controversy dates back to late January when several FIITJEE centres - including those in Ghaziabad's Raj Nagar, Noida's Sector 62, and Greater Noida - abruptly ceased operations, leaving students in limbo just before critical examinations.

The first FIR in the matter was registered

in Ghaziabad, naming four individuals. A second FIR followed in Noida on January 24, implicating nine FIITJEE officials. A third case was later filed in Greater Noida against four individuals at the Knowledge Park police station. In response to the backlash, FIITJEE issued an official statement on January 25, attributing the closures to "mismanagement and desertion" by managing partners, not an institutional decision. The institute also accused rival firms of poaching its faculty and denied reports that teachers had resigned due to unpaid salaries.

Dismissing the allegations as part of a "criminal conspiracy by individuals with vested interests", FIITJEE said its legal team was pursuing action against what it described as "malicious prosecutions".

Best photo we got: JD Vance shares candid family moment at Taj Mahal

The Vances dressed for the sweltering summer weather with effortless charm. JD Vance sported a navy blue blazer over a pale blue shirt and beige trousers, while Usha Vance opted for her signature simple elegance in a striped midi dress.

New Delhi. US Vice President JD Vance capped off a vibrant day in Agra with a picture-perfect moment-quite literally. On Thursday, he shared a candid family photograph taken at the Taj Mahal, capturing not only the grandeur of the monument but also a lighthearted glimpse into the Vance family's experience in

India.

The picture, shared on X, showed the Vice President with his wife, Second Lady Usha Vance, and their three children posing in front of the marble marvel. While the blazing sun proved a bit too much for the kids - who squinted adorably in the heat - JD and Usha posed with ease, making the most of the moment. "With three little kids staring into the sun, this was actually the best photo we got at the Taj Mahal today," Vance joked in the caption. The Vances dressed for the sweltering summer weather with effortless charm. JD Vance sported a navy blue blazer over a pale blue shirt and beige trousers, while Usha Vance opted for her signature simple elegance in a striped midi dress. Their sons, Ewan and Vivek, twinned in printed bandhgala kurtas and pyjamas, while their daughter Mirabel wore a breezy striped blouse and flared pants.

Earlier in the trip, the Vance family visited Delhi's Akshardham Temple and met Prime Minister Narendra Modi at his



residence, a meeting that clearly left an impression on the children. JD Vance, speaking at the Rajasthan International Centre in Jaipur, revealed how deeply touched his children were by PM Modi's warmth.

"My son Ewan is seven years old. Yesterday we had dinner at the Prime Minister's house. The food was so good, and he was so kind to our three children. Ewan came to me afterwards and said, 'Dad, I think I can live in India,'" Vance recalled, adding that the Prime Minister's graciousness had left a lasting impression on the family.

However, JD Vance explained how after exploring Amber Fort under the Jaipur sun, Ewan revised his declaration with a new suggestion - moving to England instead.

Prime Minister Narendra Modi met JD Vance and his family in February this year and spent some time on the sidelines of the AI Action Summit. The Indian Prime Minister met the Vances, participated in the birthday celebrations of JD Vance's son, Vivek, and also presented him with a gift. Speaking about the gesture during his India visit, the US Vice President remarked that his wife and he were "touched by his graciousness."

"He managed to figure out that my second son was turning five in Paris. This was a couple of months ago. Amid a huge international policy conference, he took the time to stop by where I was staying and wish Vivek a very happy birthday and even bring him a gift. Usha and I were genuinely touched by his graciousness," the US Vice President said.

NEWS BOX

"Robbed You Of Mother": Texas Man Apologises To Children Of Woman He Murdered

Houston.A 41-year-old man was executed Wednesday in the US state of Texas for the brutal murder of a young mother more than 20 years ago, the 13th execution in the country this year.Moises Sandoval Mendoza was put to death at the state penitentiary in the city of Huntsville, Texas Attorney General Ken Paxton said in a statement.Mendoza was found guilty of killing 20-year-old Rachelle O'Neil Tolleson in March 2004. According to court documents, he sexually assaulted her, killed her, then carried her body to a ditch and set it on fire. The victim's remains were discovered several days later.Tolleson, the mother of a five-month-old child, had known her killer since high school, according to local media.Mendoza confessed to the murder, but had sought to have the death penalty commuted to life imprisonment. He lost the appeals.In a final statement shared by Texas officials, Mendoza apologized to Tolleson's loved ones "for having robbed you of Rachelle's life." "To Avery... I robbed you of a mother. I'm sorry for that," Mendoza said. "I know nothing that I could ever say or do would ever make up for that."Earlier Wednesday, the US Supreme Court also rejected all of Mendoza's appeals to block his execution by lethal injection from proceeding.Including Mendoza's, the United States has carried out 13 executions since the beginning of this year: nine by lethal injection; two by firing squad; and two using nitrogen gas, which has been denounced by the United Nations and experts as cruel and inhumane.The death penalty has been abolished in 23 of the 50 US states, while three others -- California, Oregon and Pennsylvania -- have moratoriums in place.US President Donald Trump is a proponent of capital punishment and on his first day in office called for an expansion of its use "for the vilest crimes."Attorney General Paxton had supported the execution, reiterating his position in a statement issued after Mendoza was put to death.

Who is Ivan Vladimirovich Putin Leaked photo reveals alleged son of Vladimir Putin

WORLD. The first-ever photos of Russian President Vladimir Putin's alleged 10-year-old son, Ivan Vladimirovich Putin, have reportedly been leaked by VChK-OGPU, an anti-Kremlin Telegram channel with links to Russian law enforcement and intelligence circles.

Believed to be the son of Russian President Putin and Olympic gymnast Alina Kabaeva, 41, Ivan has lived a life shrouded in secrecy, as reported by The Sun.Until now, the Kremlin has neither acknowledged nor revealed Putin's rumoured children with Alina Kabaeva, who have remained completely out of the public eye.The newly released high-resolution images, one showing Ivan in a traditional Russian outfit and another with his mother, are the first public glimpse of the boy, who has allegedly been hidden from view since birth.According to the Telegram channel, Ivan lives under constant security, with limited contact with other children, and his time is strictly managed by tutors, governesses, and guards. VChK-OGPU described him as "probably the loneliest boy in Russia," and noted his strong resemblance to a young Soviet-era Putin.

Ivan was reportedly born in 2015 at a clinic in Lugano, Switzerland and he is reportedly fond of Disney cartoons and ice hockey, though Putin is said to disapprove of the cartoons.He also has a younger brother, Vladimir Jr, born in 2019. Both children are believed to live in a heavily guarded residence near Moscow with round-the-clock staff and private educators.Alina Kabaeva, long rumored to be in a relationship with Putin, has never confirmed the claims and maintains a private life.

Harvey Weinstein Made Sex Attack Victims 'Feel Small,' Jury Told

New York.Prosecutors opening Hollywood mogul Harvey Weinstein's rape and sexual assault retrial described Wednesday how he ignored his victims' pleas to stop and abused his position to make them "feel small."

The trial, which began with jury selection last week, will see survivors who helped spark the "MeToo" movement testify against Weinstein once more.

The former Miramax studio boss is charged with the 2006 sexual assault of former production assistant Mimi Haleyi and the 2013 rape of aspiring actress Jessica Mann. He also faces a new count for an alleged sexual assault of a 19-year-old in 2006.

Assistant District Attorney Shannon Lucey recounted Weinstein's alleged attacks in graphic detail, saying all three women had begged him to stop, but that he had "all the power... He made all these women feel small."The prosecutor described how Weinstein pestered Haleyi with multiple requests for massages and sexual favors before she found herself alone with him in an apartment one day in 2006.

"The defendant, three times (her) size, kissed her, groped her and she told him again she was not interested," Lucey said.He pulled Mimi towards him... She quickly realized he was not going take a no for an answer," the prosecutor added. Lucey detailed how Weinstein then forced himself on Haleyi, performing oral sex on her despite her pleas for him to stop.The award-winning movie producer, who was brought into the Manhattan criminal court in a wheelchair and wore a dark business suit, glanced occasionally at the jury as the trial got underway. Lucey described the defendant as "one of the most powerful men in... show business," telling the majority-female jury that "when he wanted something, he took it."

Humans Lived In African Rainforests 1,50,000 Years Ago: Study

Jena.Our human species emerged in Africa around 300,000 years ago but scientists don't yet have a clear picture of what kind of natural environment we evolved in. Until recently, the dominant idea was that grasslands and savannahs were the ecological "cradle" of human beings. Environments like rainforest were considered to be barriers to human expansion, and inhabited only much later in human history.This view is out of step with research in Asia, however. There, more and more evidence has been found of sophisticated behaviours and advanced cognition in ancient rainforest contexts.

Humans lived in a rainforest environment on Sumatra in Indonesia as far back as 70,000 years ago. They also coped well with the challenges of rainforests. At Niah Cave in Borneo, toxic plants obtained from nearby rainforest habitats were processed as far back as 45,000 years ago. This was soon after people were first documented in this region, around 46,000 years ago. Similarly, in Sri Lanka, there is evidence for direct reliance on rainforest resources from at least 36,000 years ago.

These discoveries suggest that humans were able to live in rainforest before they left Africa, the home of our species. Until now,

though, the oldest firm evidence for people living in African rainforests dated to around 18,000 years ago.Our newly published study pushes that date way back. Our international team of researchers, working in C d'Ivoire, showed that human groups were already living in Africa's wet tropical forest 150,000 years ago.

Our research

The story of this discovery began in the 1980s, when the Bété I site in C d'Ivoire was first investigated by Professor Fran Yiodé Guédé of the Université Félix Houphou Boigny on a joint Ivorian-Soviet mission. Results from this initial study published in 2000 revealed a long sedimentary sequence, containing stone tools in an area of present-day rainforest.This site is one of the few in Africa to feature a long history of layers of sediment being deposited. There is a sedimentary sequence of about 14 metres, with several levels of preserved tools. The stone tool assemblages, composed of more than 1,500 pieces, were found during the excavations of the 1980s and 1990s, but at that time the age of the tools - and the ecology of the site when they were deposited there - could not be determined.We went back to the site 36 years later and found the exact location of



the Bété I sequence. We took samples of sediment and studied them using a variety of analytical methods. This is a way to get the most reliable picture of how old the sample is and what kind of environment it was originally in.To date the sediment in which the stone tools were found, we used two dating techniques: optically stimulated luminescence and electron spin resonance. These told us how old the quartz grains were at various points in the layers of sediment. We also examined the sediment for pollen, phytoliths (silica concretions produced by plants), and leaf wax.These

analyses together indicated that by 150,000 years ago, the site was heavily wooded, with pollen and leaf waxes typical for humid west African forest. Low levels of grass pollen showed that the site wasn't in a narrow strip of forest, but in a dense woodland featuring plants that are important in that kind of ecosystem, like oil palms. This ecological information came from samples along the sequence and also in the same level where the deepest tools were found. This clue allowed us to say human groups were present in the site at most 150,000 years ago.

Our findings

The results indicate that ecological diversity lies at the heart of our species, and humans have been able to live in different habitats and ecologies from an early stage in our history. In other words, humans are unique in their ability to both adapt to a huge variety of different environments, and become specialists within any of those environments.The fact that this discovery was made in west Africa also highlights the importance of investigating different African regions for a more comprehensive picture of the earliest periods of human prehistory.

US Court halts visa revocations of 133 students, majority are Indians

WORLD. A US federal judge in Georgia has ordered the temporary restoration of SEVIS (Student and Exchange Visitor Information System) records for 133 international students. These students, mostly from India, sued after the cancellation of their visas and termination of SEVIS records by the US Department of State (DOS) and Immigration and Customs Enforcement (ICE).Government agencies stated that the students were associated with law enforcement encounters — although several had no criminal record.This occurred after the issuance of Temporary Restraining Orders (TROs) in favor of the students by the court. The immigration lawyers claimed that the cancellations are unfair and stranded many students without legal status even though they had no severe legal issues.



Rubio previously declared that more than 300 student visas were cancelled under the program.An American Immigration Lawyers Association (AILA) report indicates that ICE has

period of work, which can be up to 36 months, usually serves as a precursor to applying for a work visa such as the H-1B. Loss of OPT status jeopardizes their future in the US.

HUNDREDS OF STUDENTS PENALIZED FOR MINOR INFRACTIONS

A number of students, the AILA report says, had their visas cancelled for relatively minor reasons such as traffic tickets or violations of university regulations. One student even lost their visa status after being named as a victim of domestic violence in a police report. In only two of the 327 cases was political activity even mentioned.Attorneys have condemned the government's actions, indicating that there are no set rules or regulations outlined in the revocation letters issued by DOS or ICE. "Protesting is not illegal in the US, and these students could lose everything because of vague allegations," an attorney said.

The court's ruling to reinstate the SEVIS records brings some relief, but the long-term effect on these students is unclear.

INDIAN STUDENTS ON OPT MOST AFFECTED

The cancellations started after US Secretary of State Marco Rubio initiated "Catch and Revoke" program. Through this initiative, student visa holders are being screened through AI tools, including their social media.

Former South Korean President Moon Jae-in Indicted For Corruptions in favour of NYT in Sarah Palin defamation case

Seoul. South Korea's prosecutors said Thursday they have indicted former president Moon Jae-in on corruption charges related to the employment of his son-in-law at an airline.Moon was "indicted for corruption for receiving 217 million won (USD 150,000) in connection with facilitating the employment of his son-in-law at an airline", the Jeonju District Prosecutors' Office said in a statement.

The case adds to the political drama gripping South Korea, which is facing elections on June 3 after Yoon Suk Yeol was stripped of his presidency for imposing martial law briefly.Moon, who served as president from 2017 to 2022, was known for pursuing engagement with North Korea, including brokering talks between Pyongyang's leader Kim Jong Un and US President Donald Trump during his first term.According to prosecutors,



Moon's son-in-law was appointed managing director by low-cost airline Thai Eastar Jet, "despite lacking any relevant experience or qualifications in the airline industry".The son-in-law "frequently left his post for extended periods...and did not perform his duties in a manner befitting the position", they said.The airline, which was effectively controlled by a former MP from Moon's party, had given Moon's son-

in-law the job in a bid to win favours from the then president, prosecutors said.According to prosecutors, any salary and other financial benefits paid by the airline to the son-in-law between 2018 and 2020 "were confirmed as not legitimate salary payments, but bribes intended for the president".The son-in-law later divorced Moon's daughter.

'Politically Motivated' Moon's indictment means that two former presidents of South Korea are now in legal jeopardy.Disgraced ex-president Yoon is facing trial on insurrection charges over his December 3 martial law decree, which lasted only around six hours as it was voted down by opposition MPs.If convicted, Yoon could be sentenced to life in prison or be given the death penalty -- although South Korea has had an unofficial moratorium on executions since 1997.

10 dead after Israeli airstrike hits Gaza school shelter for displaced families

The Israeli military stated the strike targeted militants from Palestinian militant group Hamas and Islamic Jihad operating inside the facility, and said efforts were made to minimize civilian harm.

WORLD. An Israeli airstrike on Wednesday hit the Yaffa School in Gaza City, which was sheltering displaced families and resulted in the deaths of 10 people. The Israeli military stated the strike targeted militants from Palestinian militant group




Hamas and Islamic Jihad operating inside the facility, and said efforts were made to minimize civilian harm.Eyewitnesses described a devastating scene, with Um Mohammed al-Hwaiti recounting how people ran through flames, rescuing charred victims. "We were sleeping and

suddenly something exploded, we started looking and found the whole school on fire, the tents here and there were on fire, everything was on fire," Haiti was quoted as saying by Reuters.Since a ceasefire collapsed on March 18, over 1,600 Palestinians — many of them

civilians—have been killed in Israeli strikes, according to Gaza's health authorities.Israel has expanded a "buffer zone" inside Gaza and enforced a complete blockade on goods, including fuel and electricity, intensifying the humanitarian crisis.Meanwhile, medics reported at least 36 more deaths across Gaza on Wednesday. A missile strike also damaged the intensive care unit and solar power system at Durra Children's Hospital, though no fatalities were reported there.International concern escalated as foreign ministers from Germany, France, and Britain called on Israel to follow international law, allow unhindered humanitarian aid, and restore a ceasefire. They emphasized that aid "must never be used as a political tool" and warned against altering Gaza's demographics.Israel's Foreign Ministry rejected these claims, insisting there is "no shortage of aid," despite reports from doctors and civilians indicating severe scarcities.

NEWS BOX

SRH need to stop overthinking and focus on their own game: Matthew Hayden on MI loss



New Delhi. Former Australia opener Matthew Hayden has attributed Sunrisers Hyderabad's poor run in IPL 2025 to a lack of confidence and overthinking. Hayden's remarks came after SRH suffered a heavy seven-wicket defeat against Mumbai Indians on Wednesday."The simplest explanation is just a lack of confidence. When you start losing the way SRH has, it's tough to bounce back. They were seen as benchmark batters, but right now they're far from that. This has led to issues in the middle order," said Hayden, speaking on JioStar.

Heinrich Klaasen's resilient 71-run knock helped SRH recover to post 143/8 after an early top-order collapse at the Rajiv Gandhi International Stadium. However, MI chased down the 144-run target comfortably in just 15.4 overs. Rohit Sharma's fluent 70 and Suryakumar Yadav's explosive 19-ball 40 powered Mumbai to 146/3, sealing their fourth consecutive win and propelling them from sixth to third in the points table.

Earlier, pacers Deepak Chahar and Trent Boult spearheaded a dominant bowling performance to help Mumbai Indians restrict Sunrisers Hyderabad to a modest total. Boult struck early with figures of 4/26, while Chahar supported brilliantly with 2/12, as SRH collapsed to 13/4 by the fifth over. It was Klaasen who steadied the innings with a composed half-century, providing some resistance after the top-order meltdown.

Hayden urged SRH to go back to basics. "They need to stop overthinking and focus on their own game. Right now, SRH are chasing this tournament, chasing combinations, and even chasing the form that once defined their powerful batting unit," he added.

Virender Sehwag Brutally Trolls Ex-Teammate For Mentioning MS Dhoni And CSK. Reason Is...



New Delhi. Former India captain Virender Sehwag showed no mercy while mocking ex-teammate Amit Mishra during a live YouTube session. The incident after the host of the show asked Mishra whether SunRisers Hyderabad (SRH) can still qualify for the playoffs. SRH sit second to bottom with just two wins from their first eight matches, following their defeat to the Mumbai Indians (MI) on Thursday. While speaking during a live post-match session on Cricbuzz, Mishra diverted from the topic, and instead opened up on Chennai Super Kings (CSK) and their chances of making it to the playoffs.

"I think it's almost impossible. The brand of cricket they are playing right now, it will be hard to win all six matches. For that, they would have to do well in all departments. If Dhoni comes to bat up the order, he needs to play at least 30 balls, with all due to respect to their top order," said.However, he was interrupted by Sehwag, who reminded him that the question was about SRH and not Dhoni or CSK.

Mishra was quick to issue an apology, to which, Sehwag replied: "It's all because of Dhoni's aura".

Meanwhile, SRH captain Pat Cummins admitted that his team lacked a stabilising presence in their innings, as they slumped to a seven-wicket defeat against MI.Speaking after the game, Cummins credited Heinrich Klaasen and Abhinav Manohar for giving SRH something to bowl at, but conceded that it simply wasn't enough."Abhinav and Klassy got us to a good total, but we couldn't get through this innings," Cummins said, referring to SRH's early collapse to 35 for 5. "Needed a guy to really steady the ship."

SRH will be back in action on Friday as they will take on CSK in Chennai. Just like SRH, CSK have also won twice so far this season, and sit bottom of the pile.

RCB vs RR, IPL 2025 Preview: Predicted XI, team news and Bengaluru pitch conditions

➡Royal Challengers Bengaluru (RCB) will lock horns with Rajasthan Royals (RR) as they look to win their first home fixture of the Indian Premier League 2025 (IPL 2025) and rise higher on the points table.

New Delhi. Royal Challengers Bengaluru (RCB) will take on Rajasthan Royals (RR) in Match 42 of the Indian Premier League 2025 (IPL 2025) on Thursday, April 24 at M. Chinnaswamy Stadium, Bengaluru. RCB are coming into the game, having beaten Punjab Kings by seven wickets in their last fixture. They sit comfortably on the fourth spot on the points table with five wins from eight matches, having ten points to their name.However, heading into the game, the Rajat Patidar-led side

will face a stern challenge of registering their first win at home. RCB are once again having a tough time adapting to the conditions at their home ground as they've lost three matches on the trot. They just haven't been able to find the right tempo while batting on the Chinnaswamy surface and have had to settle for below-par scores in all the fixtures.Hence, the three-time runner-ups will be eager to fill their holes in the upcoming fixture as they will desperately need to win at home to progress ahead at this crucial juncture of the tournament. On the other hand, Rajasthan Royals' campaign has got from bad to worse, with the team reeling at the eighth spot on the points table.RR are coming into the fixture on the back of close losses against Delhi Capitals (DC) and Lucknow Super Giants (LSG). They failed to score the nine runs required to win in the last over of both games, resulting in embarrassing losses.The injury to their captain, Sanju Samson has only added to their woes as the constant transfer of leadership from him to



Riyan Parag hasn't allowed them to settle as a unit. Hence, Rajasthan have a lot to fix heading into the fixture as they look to pull off a miraculous comeback.

RCB vs RR: Head-to-Head

RCB hold the slight edge over RR in IPL history, having won 16 out of the 30 matches played between the two teams.

RCB vs RR: Team News

Rajasthan captain Sanju Samson isn't available for the fixture as head coach Rahul Dravid revealed that the management decided to keep him in Jaipur to make sure they don't further worsen his side injury. On the other hand, there are no

such concerns in RCB camp.

RCB vs RR: Predicted Playing XIs and Impact Subs

Royal Challengers Bengaluru: Phil Salt, Virat Kohli, Devdutt Padikkal, Rajat Patidar (c), Jitesh Sharma (wk), Romario Shepherd, Tim David, Krunal Pandya, Bhuvneshwar Kumar, Yash Dayal, Josh Hazlewood

Impact Subs: Suyash Sharma

Rajasthan Royals: Yashasvi Jaiswal, Vaibhav Suryavanshi, Riyan Parag (c), Nitish Rana, Dhruv Jurel (wk), Shimron Hetmyer, Wandindu Hasaranga, Jofra Archer, Maheesh Theekshana/Kwena Maphaka, Sandeep Sharma, Tushar Deshpande

Impact Subs: Shubham Dubey

RCB vs RR: Weather and Bengaluru Pitch Prediction

The surface at the M. Chinnaswamy Stadium has traditionally been a batting paradise, where batters enjoy shot making. However, this season, the pitch has also aided spinners, which has been evident in all three fixtures. Hence, batters will have to apply themselves in the middle before they start taking on the bowling.

I kill you: Team India coach Gautam Gambhir receives threat mail from 'ISIS'

New Delhi. Former India cricketer and current head coach Gautam Gambhir has received a death threat via email, with the subject line reading "ISIS" (Islamic State). The email contained just three chilling words: "I kill you."Following the threat, Gambhir filed a complaint at the Rajendra Nagar police station, prompting authorities to launch an investigation. Although no formal case has been registered yet, the cyber cell is actively working to trace the origin of the email and identify the sender.

"We have been informed about an alleged threat mail received on an email ID associated with Gautam Gambhir. The same is being investigated. He is already a Delhi Police protectee, and we do not comment on specific security arrangements," said Delhi Police in a statement.



of the Resistance Front—an offshoot of the proscribed terror group Lashkar-e-Taiba (LeT). Gambhir, in the past, has openly voiced his opinion against terrorism. Back in 2021, the former cricketer also got a similar threat from ISIS Kashmir.On Tuesday, Gambhir also took to X (formerly Twitter) to condemn the terror attack on tourists in Pahalgam. In one of the deadliest incidents

since the 2019 Pulwama strike, terrorists opened fire at tourists in the Baisaran meadow. "Praying for the families of the deceased. Those responsible for this will pay. India will strike," Gambhir posted.

Gambhir recently returned from a family holiday in France and has been back in the country since earlier this month. He has largely stayed out of the spotlight following India's Champions Trophy title win in March. With the Indian Premier League 2025 currently underway, national team head coaches typically get time off during the tournament. Gambhir, who took over as Team India's head coach in July last year, succeeded World Cup-winning coach Rahul Dravid.While Gambhir has recently enjoyed a more positive run as head coach with the Champions Trophy 2025 triumph, his early tenure was challenging. India lost the ODI series in Sri Lanka and suffered a 0-3 whitewash at home in the Test series against New Zealand.

Tricky Chinnaswamy pitches no excuse for RCB's poor home run: Rajat Patidar

New Delhi. RCB captain Rajat Patidar has said that the Chinnaswamy tracks have been tricky this season but isn't using that as an excuse for his team's poor performance at home this season. RCB have had a memorable campaign so far as they have been unbeaten away from home, winning all the 5 matches so far. However, that has been the case at home.

RCB have lost 3 out of 3 at the Chinnaswamy stadium this season, and will be aiming to get their first win at home when they face Rajasthan Royals on April 24. Speaking at the pre-match press conference, Patidar said that his side hasn't played good cricket at home this season. The RCB skipper said that the team will try to adapt to the situation and conditions quickly."We have not played good cricket in our home matches and you have talked about the toss, it's not in my hand, so, let's see. And



this time wickets are a bit tricky and unpredictable over here, but that is not an excuse. So, we'll try to adapt the situation and condition as quick as possible," said Patidar.

Patidar also said that the focus is not about winning the toss and it is to bat well in the conditions.It is not that if you lose the toss, half the battle is lost because the toss is not in our control. But as a player, if you have

to bat first, you would always try to do the best you can in such a situation and conditions. So, we are trying to focus more on that aspect and not on the toss," said Patidar.

'Being in the present moment'

Speaking about how RCB are able to bounce back always away from home, Patidar said that the team is trying to stay in the present and trying to learn from their mistakes. The RCB skipper also said that the team doesn't talk about home losses before an away game.

"For us, I think it is about being in the present moment because in this league, you have back-to-back matches. So, it's important to learn from the past and learn from the errors. And we don't keep talking about our home matches that we have lost, and we focus on the present as much as possible, which is more important. We always try to do the best on that day," said Patidar.



@sachin_rt," Yuvraj Singh wrote a special birthday message for Sachin Tendulkar.

"Wishing a very Happy Birthday to the legendary Sachin Tendulkar. @sachin_rt. Sachin paaji, you are not just a cricketing icon but a true symbol of humility, dedication, and excellence. Your journey has inspired generations — not only on the pitch but off it as well — with your grace, integrity, and tireless commitment to sport and society. On this special occasion, wishing you excellent health, joy, and continued success in all your endeavors," wrote Harbhajan Singh on X.

"Happy Birthday to the Master Blaster, @sachin_rt — a legendary cricketer, an inspiration to millions, and a true icon in the world of sports. Wishing you a wonderful year ahead, Sir! #SachinTendulkar #BirthdayWishes #CricketLegend," Suresh Raina posted.Tendulkar made his Test debut on November 15, 1989, at the age of 16. Just a month later, on December 18, he played his first ODI match. Over the course of his illustrious career, he scored 34,357 runs in 664 international appearances at an average of 48.52 — making him the highest run-scorer in international cricket.

Liverpool one point away from record-equalling 20th title after Arsenal draw vs Palace

Liverpool are just one point away from winning a record-equalling 20th Premier League title after Mikel Arteta's Arsenal were held to a 2-2 draw by Crystal Palace.

New Delhi. Liverpool are on the cusp of their 20th Premier League title—one that would match the record held by Manchester United—after Arsenal were held to a dramatic 2-2 draw by Crystal Palace at the Emirates on Wednesday.Despite leading twice through

Jakub Kiwior and Leandro Trossard, the Gunners were pegged back by a spirited Palace side, with Eberechi Eze volleying home and substitute Jean-Philippe Mateta sealing the equaliser with a stunning late chip.

The draw leaves Arsenal on 67 points with four games left, meaning they can only match Liverpool's 79-point tally—but the Reds still have five games to play.

A single point against Tottenham at Anfield on Sunday will be enough for Liverpool to clinch the Premier League title and equal United's record of 20 league championships.

"When I started on the bench I could see he (David Raya) was very high up the pitch," Mateta said."So I knew if I won the ball I



could try, so I did and scored. It is one of the best goals of my career. I thought it hit the crossbar but thankfully it was in!"

Reflecting on where the Premier League title slipped away from Arsenal, Mikel Arteta offered a brief insight in his post-match interview."We haven't been able to see the games off for many reasons," Arteta said.

"The margins have been too small. Sometimes that's when I credit the opposition, we indeed played five times with ten men.

"There are a lot of factors, but it's something that we've done much better in the past, especially when we've been ahead in games, and today, without really much happening, especially in the second half, we have to be able to see the game off.Arsenal are set to host PSG in the Champions League semifinals.

Reflecting on the team's ambitions, Mikel Arteta highlighted how winning the Champions League had been a key goal from the outset."In pre-season, I asked the lads: 'PL or UCL, what's the dream?' They all wanted the UCL. We are focused on the trophy our boys want so we can complete our history in Europe, congratulations LFC, but we'll be there next season."

Rakul Preet Singh

'Can't Wait' For Bhumi Pednekar, Ishaan Khatter's The Royals. We Don't Blame Her

The trailer of Bhumi Pednekar and Ishaan Khatter's Netflix series *The Royals* is finally out. Supported by the ensemble cast, the highly anticipated show has not just fans but celebrities too, buzzing with excitement. Well, we don't blame them. Joining the list of admirers, Rakul Preet Singh has also shared her delight, expressing her enthusiasm ahead of the show's release. The actress added the trailer of *The Royals* to her Instagram stories, attached to a short note. It read, "Can't wait for this one Bhumssss and how hot are you looking. Good luck to the entire team."

Rakul and Bhumi recently shared screen space in the film, Mere Husband Ki Biwi. Released earlier this year, the romantic comedy is about a love triangle which involves a man, his girlfriend and former wife. Arjun Kapoor played the lead role in the film which is now streaming on Jio Hotstar. It is directed by Mudassar Aziz. That's not all. Bhumi Pednekar also played a big role when Jacky Bhagnani proposed to wife Rakul Preet Singh before their wedding last year. Earlier, in an interview with Zoom, Rakul mentioned that she gave an ultimatum to her then boyfriend and now husband, Jackky, to propose to her before their marriage. She said, "He actually managed to surprise me, I had no idea. Bhumi played a very important role. Because Bhumi (Pednekar) sort of orchestrated it. And I couldn't guess. Bhumi is his best friend and obviously my friend as well now so she orchestrated the whole thing so I

couldn't tell."

About The Royals

Directed by Priyanka Ghose and Nupur Asthana, *The Royals* is set to premiere on Netflix on May 9. The recently released trailer of the show offers a glimpse into the fading city of Morpur, where a charming prince and a determined CEO come together for a deal, turning the palace into a B&B-like service to restore their heritage and tradition. Besides the lead cast, the show also stars Sakshi Tanwar, Zeenat Aman, Nora Fatehi, Dino Morea, Milind Soman, Alyy Khan, Chunky Panday and Vihaan Samat among others. Packed with punchlines and humorous dialogues, the show displays a sizzling chemistry between Ishaan and Bhumi, adding to the hype around the show.

Yami Gautam

Emraan Hashmi Wrap Shoot For Shah Bano Inspired By 1985 Case

On the 40th anniversary of the historic Shah Bano vs. Ahmed Khan case (Supreme Court 1985), comes a high-octane drama inspired by the life of Shah Bano, a key figure in the fight for Muslim women's rights in India. The case marked a significant moment in the battle against rigid Muslim personal laws and played a pivotal role in reshaping the legal landscape for women in India. Starring Yami Gautam Dhar and Emraan Hashmi, the film promises to be a gripping drama set against the backdrop of this landmark 1985 Shah Bano vs Ahmed Khan case, which forever altered India's constitutional history and the relationship between religion, individual rights, and the role of the state. Emraan Hashmi plays Yami's husband, a character inspired by Shah Bano's ex-husband, Ahmed Khan. Audiences can expect powerful performances from the talented cast, bringing this extraordinary story to life.

The cast and crew have now wrapped up the shoot of the film. This film marks the second chapter in filmmaker Suparn S Varma's ambitious courtroom trilogy. The first installment was the critically acclaimed *Sirf Ek Bandaa Kaafi Hai* (2023), starring Manoj Bajpayee. A source told *Hindustan Times*, "Yami and Emraan are leading this impactful courtroom drama and have finished the shooting schedule. A lot of research has gone into the script to ensure authenticity and the film boasts of several long and intense courtroom scenes. Yami plays Shah Bano, while Emraan's character draws from Ahmed Khan."

The film has been shot across various locations in

and around Lucknow, including Kakori, Sandila, and several other historic and culturally rich spots. At its core, the film tells the story of Shah Bano's brave fight against a deeply ingrained system. A woman with no financial resources or societal support, Shah Bano stood firm against the entrenched power of organised religion and the misogynistic practices carried out under its name. Her battle, which started as a David vs. Goliath struggle, went all the way to the Supreme Court, where, against all odds, she won.

Shah Bano's case, which initially seemed impossible to even discuss in the 1970s, became the catalyst for a legal framework that would pave the way for countless women to claim their rightful due in the face of gender-biased laws. Her fight not only made global headlines but also earned a place among the Top 10 events that shaped Indian democracy and the judiciary.

It continues to be taught in law schools across the country and has served as a vital reference for women from all walks of life, regardless of religion, caste, or socioeconomic status, seeking justice in divorce and marriage disputes.



Pravasthi Aaradhya Accuses Singer Sunitha, Padutha Theeyaga Judges of Harassment: 'Pressured To Expose Navel'



Singer Pravasthi Aaradhya, a 19-year-old participant on the reality TV show Padutha Theeyaga Silver Jubilee, has made serious allegations against the show's makers and judges. In a social media post, she accused them of bullying, harassment, and body-shaming during her time on the show. Pravasthi specifically named singer Sunitha Upadrashta, as well as Oscar-winning composer MM Keeravani and lyricist Chandrabose, claiming that their behaviour towards her was inappropriate and deeply upsetting. Pravasthi Aaradhya shared a video on her Instagram handle, aiming to "expose" her experience on Padutha Theeyaga Silver Jubilee. In the video, she revealed that after winning Star Maa's Super Singer in 2024, she joined the new show hoping to gain more exposure and grow as an artist. However, what she expected to be a positive opportunity turned into what she described as a horrifying experience and a personal nightmare.

In the video, Pravasthi Aaradhya alleged that singer Sunitha Upadrashta was consistently indifferent towards her during the show. "She always looked disgusted whenever I came on stage," Pravasthi said. She further claimed that Sunitha spoke negatively about her talent to MM Keeravani, unaware that Pravasthi's earpiece was still plugged in at the time. Pravasthi also shared that while composer MM Keeravani and lyricist Chandrabose were cordial at first, their behaviour shifted as the show progressed.

She also accused MM Keeravani of being biased. "When I got eliminated, he looked at me and commented on how he disliked singers performing at weddings. Everyone there knows I do that due to my financial situation," she stated.

In her video, Pravasthi Aaradhya didn't just speak out against the judges—she also levelled serious allegations against the production team of Padutha Theeyaga Silver Jubilee. She claimed that the environment behind the scenes was equally troubling, and that the team failed to support her through the difficulties she faced.

Allu Arjun, Katrina Kaif And Javed Akhtar Condemn Pahalgam Terror Attack, Demand Justice for Victims



In one of the deadliest attacks in Jammu and Kashmir, terrorists linked to Lashkar-e-Taiba opened fire on a group of tourists in Pahalgam on Tuesday, killing at least 28 people, including some foreign visitors, and injuring many others. The shocking incident has sparked widespread anger. Many celebrities shared their grief and outrage on social media, strongly condemning the attack and calling for justice. Among them were, veteran lyricist Javed Akhtar, South superstar Allu Arjun and Katrina Kaif. Javed Akhtar took to X and wrote, "Come what may, what ever the cost, what ever the repercussions, the terrorists of Pelham can not be allowed to get



away . These mass murderers have to pay with their lives for their inhuman deeds (sic).”

Allu Arjun took to Instagram and extended condolences to the family members of the victims. “Soo heart broken by Pahalgam Attack. Such a beautiful place with kind hearted people. Condolences to all the families, near and dear of the victims. May their innocent souls rest in peace. Truly Heart breaking (sic).”

Katrina Kaif wrote in her Instagram Stories, "Heartbroken by the horrific attack in Pahalgam, unsuspecting and innocent tourists and civilians, whose lives have been tragically taken. Deepest condolences to the families of the victims during this unimaginable time. Praying for strength and peace for all the families who have lost loved ones. may justice be served !!!"

On April 22, 2025, a horrific mass shooting unfolded at the Baisaran meadow near Pahalgam in Anantnag district, Jammu and Kashmir. The attack saw militants linked to The Resistance Front (TRF) open fire on a group of Hindu tourists. At least 28 people were killed, and over 20 others were injured in the deadly assault.